सब का सपना

Tittle Code :-UPHIN 51223

निष्पक्ष व निडर साप्ताहिक समाचार पत्र

वर्ष–01 अंक–08 अमरोहा उत्तर प्रदेश www.sabkasapna.com सोमवार, 18 दिसंबर से 24 दिसंबर 2023 पेज–08 मूल्य 5 रूपये

जरूर पढ़ें

सेंसेक्स का रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन, 71000 के पार पहुंचा

नई दिल्लीः भारतीय शेयर बाजार में काफी तेजी देखने को मिल रही है. इस हफ्ते के आखिरी दिन शुक्रवार को बाजार के दोनों इंडेक्स हर लक्ष्य पर खुले और रॉकेट की रफ्तार से दौड़ने लगे. एक तरफ बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 400 अंक से ज्यादा बढ़कर 71,000 के पार पहुंच गया, वहीं दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी नए सर्वकालिक स्तर (ठीध् अ'' ळ्ळी ळ्त्रर्ँ) पर पहुंच गया है. जिस तरह गुरुवार को शेयर बाजार में तूफान देखने को मिला था, वैसा ही तूफान शुक्रवार को शेयर बाजार में देखने को मिला.बीएसई सेंसेक्स 282.80 अंक या 0.40 फीसदी की बढ़त के साथ 70,797 पर खुला और कुछ ही देर में कारोबार के दौरान नई सर्वकालिक ऊंचाई पर पहुंच गया.

हीरो मोटोकॉर्प ने 140 करोड़ रुपये में एथर एनर्जी में अतिरिक्त 3 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी

नई दिल्लीः हीरो मोटोकॉर्प ने इलेक्ट्रिक वाहन निर्माता एथर एनर्जी में लगभग 140 करोड़ रुपये में 3 प्रतिशत अतिरिक्त हिस्सेदारी हासिल कर ली है।नियामक फाइलिंग के अनुसार, हीरो मोटोकॉर्प ने एथर एनर्जी के मौजूदा शेयरधारकों से अतिरिक्त शेयरों की खरीद के माध्यम से निवेश किया।एथर एनर्जी में अब हीरो मोटोकॉर्प की 39.7 फीसदी हिस्सेदारी है। सितंबर में एथर ने राइट्स इश्यू के जरिए हीरो मोटोकॉर्प और वैश्विक निवेश फर्म जीआईसी से 900 करोड़ रुपये जुटाए थे। एथर कथित तौर पर अपनी आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (आईपीओ) के लिए तैयारी कर रहा है और उसकी 2024 के अंत या 2025 की शुरुआत में सूचीबद्ध होने की योजना है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा है पवित्र काम

मोदी ने सूरत एयरपोर्ट के नए एकीकृत टर्मिनल भवन का किया उद्घाटन

नई दिल्ली, एजेंसियां

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपने दो दिवसीय दौरे के पहले चरण में सूरत पहुंचे. जहां उन्होंने सूरत एयरपोर्ट के नए एकीकृत टर्मिनल भवन का उद्घाटन किया. इसके बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सूरत में रोड शो किया. रोड शो करने के बाद पीएम मोदी ने सूरत डायमंड बोर्स का उद्घाटन किया. बता दें कि सूरत डायमंड बोर्स अंतरराष्ट्रीय हीरे तथा आभूषण कारोबार के लिए दुनिया का सबसे बड़ा एवं आधुनिक केंद्र बनेगा.

यह कच्चे और पॉलिश किए गए हीरों के साथ–साथ आभूषणों के व्यापार के लिए एक वैश्विक केंद्र होगा, इसके अलावा यहां एक्सचेंज में आयात–निर्यात के लिए एक अत्याधुनिक 'सीमा शुल्क क्लीयरेंस हाउस', खुदरा आभूषण व्यवसाय के लिए एक आभूषण मॉल और अंतर्राष्ट्रीय बैंकिंग और सुरक्षित वॉल्ट के लिए सुविधा भी शामिल होगी.जबकि सूरत एयरपोर्ट का नया एकीकृत टर्मिनल भवन व्यस्त समय के दौरान 1,200 डॉमेस्टिक और 600 इंटरनेशनल पैसेंजर्स के लिए सुविधा देने में सक्षम होगा. एयरपोर्ट की क्षमता को बढ़ाकर 3,000 यात्रियों तक करने की योजना है. इसके साथ ही सूरत एयरपोर्ट पर प्रति वर्ष 55 लाख यात्रियों को संभालने की क्षमता हो जाएगी.

सूरत में पीएम मोदी का जोरदार स्वागत :अपने गृह राज्य पहुंचने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भव्य स्वागत किया गया. सूरत में रोड शो के दौरान पीएम मोदी की एक झलक पाने और उनके स्वागत के लिए सड़क के किनारे लोगों की भारी भीड़ देखने को मिली. दुनिया की टॉप तीन इकॉनोमी में जरूर शामिल होगा– पीएम मोदीप्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि, मोदी ने देश को गारंटी दी है कि अपनी तीसरी पारी में भारत दुनिया की टॉप तीन इकोनॉमी में जरूर शामिल होगा. सरकार ने आने वाले 25 साल का भी टारगेट सेट किया है.

मोदी की गारंटी को सच्चाई में बदलते देखा'सूरत में अपने संबोधन में पीएम मोदी ने कहा कि, हाल के दिनों में जो चुनाव नतीजे आए, उसके बाद एक चर्चा और बढ़ गई है. लेकिन सूरत के लोग मोदी की गारंटी को बहुत पहले से जानते हैं. यहां के लोगों ने मोदी की गारंटी को सच्चाई में बदलते देखा है. पीएम मोदी ने कहा कि यहां के परिश्रमी लोगों ने मोदी की गारंटी को सच्चाई में बदलते देखा है.

यह इमारत नए भारत की नई ताकत और नए संकल्प का प्रतीक'प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, सूरत डायमंड बोर्स भारतीय डिजाइनरों, भारतीय डिजाइनरों, भारतीय सामग्रियों और भारतीय अवधारणाओं की क्षमताओं को प्रदर्शित करता है. यह इमारत नए भारत की नई ताकत और नए संकल्प का प्रतीक है.

दुनिया के शीर्ष 10 विकासशील शहरों में से एक– पीएम मोदीप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि आज सूरत दुनिया के सबसे तेजी से आगे बढ़ते टॉप 10 शहरों में से एक है, सूरत का स्ट्रीट फूड, सूरत में स्वच्छता, सूरत में स्किल डेवलपमेंट का काम सब कुछ शानदार होता रहा है. कभी सूरत की पहचान सन सिटी की थी, यहां के लोगों ने अपने परिश्रम से पूरी ताकत से मेहनत की पराकाष्ठा करके इसको डायमंड सिटी बनानाया. डायमंड बोर्स के उद्घाटन के बाद पीएम मोदी का संबोधनढट मोदी ने गुजरात के सूरत में डायमंड बोर्स के उद्घाटन के बाद जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि, आज सूरत शहर की भव्यता में आज एक और डायमंड जुड़ गया है.

कोई इनकम टैक्स वाला नही आएगाः पीएम नरेंद्र मोदी

नई दिल्ली, एजेंसियां

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे हैं। यहां उन्होंने विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से बात की और उन्हें संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने एक दिव्यांग लाभार्थी से कुछ ऐसा कहा कि वहां मौजूद सभी लोग हंसने लगे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे हैं। यहां उन्होंने विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से बात की और उन्हें संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने एक दिव्यांग लाभार्थी से कुछ ऐसा कहा कि वहां मौजूद सभी लोग हंसने लगे। दरअसल दिव्यांग लाभार्थी से पीएम मोदी बात कर रहे थे। उन्होंने लाभार्थी से पूछा कि आपने कितनी पढ़ाई की है, क्या काम करते हैं और कितनी कमाई हो जाती है? इस पर लाभार्थी ने कहा कि अभी एम कॉम किया है और सिविल सर्विस की तैयारी कर रहा है। लाभार्थी ने बताया कि सरकार की पेंशन योजना का उन्हें लाभ मिला है।

लाभार्थी ने कहा कि दुकान संचालन के लिए फिलहाल लोन योजना के लिए आवेदजन किया है और सीएससी सेंटर चलाता हूं। इसके बाद दिव्यांग ने कहा कि सेंटर में कितने लोग रोजाना आते हैं यो तो गिनती नहीं करता लेकिन इतने लोग आ जाते हैं कि जीविकोपार्जन हो जाता है। वहीं कमाई पर लाभार्थी ने कहा कि कभी गिनती नहीं किया कि कितनी कमाई होती है। इसके बाद पीएम मोदी ने माहौल को हल्का बनाते हुए कहा कि ठीक है आप अपनी इनकम मत बताइए, कोई इनकम टैक्स वाला नहीं आएगा। आपको लगा होगा कि मोदी इनकम टैक्स भेजेगा।

विकसित भारत संकल्प यात्रा है पवित्र काम

बता दें कि पीएम मोदी ने भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम में लाभार्थियों व देश को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि विकसित भारत का सपना हर देशवासी के मन में उसी तरह पलना चाहिए, जैसे कि आजादी की दीवानगी उस वक्त लोगों के मन में बस गई थी। उन्होंने दावा कि कि अगर 140 करोड़ लोग के मन में इस तरह की दीवानगी बस गई तो भारत 2047 तक विकसित देश बन जाएगा। उन्होंने कहा कि विकसित भारत का संकल्प पूरा करना मुसीबतों से मुक्ति का मार्ग है। विकसित भारत संकल्प यात्रा एक प्रकार से देश का काम है। यह किसी राजनीतिक दल का काम नहीं है। मैं मानता हूं कि जो इस काम को करता है वह एक पवित्र काम करता है।

विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों को पीएम मोदी ने किया संबोधित

नई दिल्ली, एजेंसियां

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी फिलहाल दो दिवसीय वाराणसी दौरे पर पहुंचे हैं। यहां पीएम मोदी वाराणसी की जनता को संबोधित कर रहे हैं। इस दौरान उन्होंने विकसित भारत संकल्प यात्रा के लाभार्थियों से बात की और उन्हें संबोधित किया। इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद थे। पीएम ने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा एक तरीके से मेरी भी कसौटी है, यह मेरी परीक्षा क्योंकि मैंने जो काम कहा था और जो किया है, क्या वैसा काम हुआ है या नहीं, जिसके लिए होना चाहिए वो हुआ है या नहीं ये मैं लोगों से पूछना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि मैं कुछ लोगों से मिला जिन्होंने आयुष्मान कार्ड का इस्तेमाल कर गंभीर बीमारियों से इलाज कराया है।

2047 तक भारत बनेगा विकसित भारत

पीएम नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि हम जिन मुसीबतों से गुजरे, कोई मां–बाप नहीं चाहता कि उनके बच्चे उन मुसीबतों से गुजरे। वो खुद नहीं पढ़ पाए लेकिन अपने बच्चों को शिक्षित करने का प्रयास करते हैं। जब इन योजनाओं की जानकारी उन लोगों को मिलती है तो उन्हें लगता है कि अब समय है। उन्होंने कहा कि लोग आज कहते हैं कि गरीबी और अमीरी का फर्क देश में मिट गया है। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि अगर हम इस समय 140 करोड़ देशवासी, इसी मिजाज से भर जाएं कि हमें देश को आगे ले जाना है, हर एक की जिंदगी बदलनी है, हर एक की शक्ति का उपयोग व सम्मान होना चाहिए। एक बार जब ये बीज मन में लग जाएगा तो साल 2047 में देश विकसित भारत बन जाएगा और बच्चों को फल मिलना शुरू हो जाएगा।

विकसित भारत संकल्प यात्रा पर क्या बोले पीएम मोदी: पीएम मोदी ने कहा कि इस वटवृक्ष का फायदा आपके ही बच्चों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि जब मन बन जाता है तो मंजिल दूर नहीं होती है। विकसित भारत संकल्प यात्रा देश का काम है ना कि किसी राजनीतिक दल का। पीएम ने कहा, 'यह काम बेहद पवित्र है। जो विकसित भारत संकल्प यात्रा का काम करता है वह बहुत पवित्र काम करता है। विकसित संकल्प भारत के तहत

जिनकों भी योजना का लाभ मिला हैं, उन्हें इस बात को बताना चाहिए। विकसित भारत यात्रा बहुत बड़ा सपना और संकल्प है। अपने ही प्रयासों से हमें इस संकल्प को सिद्ध करना है।' पीएम ने कहा कि हम सब प्रयास करें कि इस यात्रा को और सफल करें और देशवासियों के मन में भाव और आत्मविश्वास पैदा करें।

पीएम मोदी ने एंबुलेंस के लिए रोक दिया अपना काफिला

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज दो दिवसीय दौरे पर वाराणसी पहुंचे हैं. एयरपोर्ट से शहर तक सड़क किनारे गुलाब की पंखुड़ियों बीछी हैं. वाराणसी अपने सांसद का भव्य स्वागत जयघोष और फुल मालाओं से कर रहा है. इसी बीच पीएम मोदी के काफिले से कुछ मार्मिक तस्वीरें सामने आई है, जहां रोड शो के लिए निकले उनके काफिले के बीच, अचानक एंबुलेंस आ गई. ऐसे में प्रधानमंत्री ने फौरन सुरक्षा अधिकारियो को निर्देश देकर अपना काफिला रुकवा दिया है और एंबुलेंस के लिए राह बनाई. जब पीएम मोदी ने किसी एंबुलेंस के लिए अपने काफिले को रोका हो. इससे पहले इसी तरह की एक घटना पिछले साल 30 सितंबर को पेश आई थी, जहां गुजरात में अहमदाबाद से गांधीनगर की ओर मुख्य सड़क पर बढ़ रहे पीएम मोदी के काफिले के बीच अचानक एम्बुलेंस आ गई, जिसके बाद सभी गाड़ियां रुकवाकर एम्बुलेंस को जगह दी.

मेट्रो के गेट में महिला की साड़ी और बैग फंस गया

नई दिल्ली, एजेंसियां

आउटर दिल्ली के नागलोई क्षेत्र में एक दर्दनाक हादसा सामने आया है. मेट्रो प्रशासन की लापरवाही के कारण एक महिला की मौत हो गई. यह मामला बीते गुरुवार का है. महिला अपने 10 वर्ष के बेटे के साथ मायके जा रही थी. नागलोई से मेट्रो लेकर वह इंद्रलोक मेट्रो स्टेशन पर पहुंची. यहां पर वह दूसरी मेट्रो को पकड़ने जा रही थी, तभी महिला की साड़ी मेट्रो के गेट में फंस गई. तभी साथ मेट्रो चल पड़ी. इस दौरान महिला काफी दूर तक मेट्रो के प्लेटफार्म पर घिसटती रही. इस दौरान स्टेशन पर यात्री ने भी आवाज लगाई. मगर मेट्रो का दरवाजा नहीं खुला. मेट्रो ट्रेन प्लेटफार्म से आगे निकल गई. वहीं गेट में फंसी महिला प्लेटफॉर्म के अंतिम छोर तक पहुंच गई.

यहां पर वह गेट से टकरा गई और मेट्रो के ट्रैक पर गिर गई. इस कारण महिला के सिर पर गंभीर चोट आई हैं. उसे सफदरजंग के अस्पताल में भर्ती कराया गया. यहां पर शनिवार को उसकी मौत हो गई. यह हादसा महिला के 10 साल के बेटे हितेंद्र के सामने हुआ. तब से बच्चा काफी सहमा हुआ है.

बच्चे ने बताया कि वह अपनी मां के साथ नानी के घर जा रहा था. नानी का घर मेरठ में है. वह शादी समारोह में शामिल होने जा रहे थे. 13 वर्ष की बहन रिया घर पर ही थी. जब ये लोग इंद्रलोक से मेट्रो पकड़ रहे थे तभी यह घटना सामने आई. मां की साड़ी मेट्रो में फंस गई और जब तक वह कुछ कर पाता मेट्रो चल पड़ी. मां मेट्रो संग घिसटती रही. वो उसे बचाने के लिए मेट्रो के साथ दौड़ता रहा. इस दौरान मेट्रो नहीं रुकी. बताया जा रहा है कि मां प्लेटफॉर्म के अंतिम छोर पर एक लोहे जाली से जा टकराई और ट्रैक पर गिर गई. बेटा मां को बचाने के लिए मेट्रो के ट्रैक पर कूद पड़ा. इसके बाद मेट्रो कर्मचारी पहुंचे और मां को हॉस्पिटल पहुंचाया. पीड़ित परिवार का आरोप है कि घायल अवस्था में महिला को कोई हॉस्पिटल में दाखिला नहीं दे रहा था. बाद में सफदरगंज हॉस्पिटल में उसे एडमिट किया गया. इस दौरान महिला कोमा में थी और उसे वेंटिलेटर पर रखा गया था. महिला का नाम रीना (35) था.

मेट्रो का दरवाजा नहीं खुला . मेट्रो ट्रेन प्लेटफार्म से आगे निकल गई . वहीं गेट में फंसी महिला प्लेटफॉर्म के अंतिम छोर तक पहुंच गई .

वो अपने दो बच्चों के साथ नागलोई कैंप में किराए के मकान में रहती थी. पति रवि का वर्ष 2014 में बीमारी के बाद मृत्यु हो गई. मां के जाने बाद दोनों बच्चे अनाथ हो गए हैं. रीना दिन में घरों में साफ–सफाई का काम करती थी. इसके बाद शाम सब्जी की रेहड़ी लगाती थी. उसके पति भी सब्जी बेचने का काम करते थे. पति की मौत के बाद से वो अकेले पूरे घर का खर्चा उठा रही थी. उसकी मौत के बाद दोनों बच्चों का अब कोई ख्याल रखने वाला नहीं है. दिल्ली मेट्रो से बच्चों को आर्थिक मदद की गुहार लगाई गई गई. वहीं पुलिस इस मामले में जांच कर रही है. सीसीटीवी फुटेज की जांच के बाद से ये साफ होगा कि घटना किस तरह से हुई.

पहले वनडे मैच को मेहमान टीम इंडिया ने 9 विकेट से अपने नाम कर लिया.

टीम इंडिया ने 8 विकेट से जीता पहला वनडे, हासिल की 1–0 की बढ़त

नई दिल्लीः एजेंसी

नई दिल्लीः जोहान्सबर्ग में भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेले जा गए पहले वनडे मैच को मेहमान टीम इंडिया ने 9 विकेट से अपने नाम कर लिया. इस मैच की शुरुआत भारत के टॉस हारने के साथ हुई. मगर, पहले बल्लेबाजी करने उतरी मेजबान टीम सिर्फ 116 के स्कोर पर ऑलआउट हो गई. जवाब में केएल राहुल की कप्तानी वाली भारतीय टीम ने बहुत ही आसानी से सिर्फ 17वें ओवर में ही लक्ष्य को हासिल किया और 8 विकेट से जीत दर्ज कर ली.

साउथ अफ्रीका के दिए 117 रनों के टारगेट को चेज करने उतरी टीम इंडिया ने कमाल का प्रदर्शन किया और 16.4 ओवर में लक्ष्य हासिल कर 8 विकेट से जीत अपने नाम की. मगर, इस लक्ष्य को चेज करने उतरी टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज ऋतुराज गायकवाड़ 5(10) पर आउट हो गए थे. इसके बाद डेब्यूडेंट साईं सुदर्शन और श्रेयस अय्यर ने पारी को तेजी से आगे बढ़ाया और लक्ष्य के करीब पहुंचाया. मगर, तभी 52(45) रन बनाकर अय्यर चलते बने. इसके बाद डेब्यूडेंट साईं सुदर्शन ने 55(43) रन की नाबाद पारी के साथ भारत को जीत की दहलीज पार कराई. इस तरह टीम इंडिया ने सिर्फ 16.4 ओवर में ही टारगेट को 2 विकेट खोकर चेज कर लिया और 8 विकेट से जीत दर्ज की.

जोहान्सबर्ग में भारत और साउथ अफ्रीका के बीच खेले जा गए पहले वनडे मैच को मेहमान टीम इंडिया ने 9 विकेट से अपने नाम कर लिया . इस मैच की शुरुआत भारत के टॉस हारने के साथ हुई .

जोहान्सबर्ग में भारत के खिलाफ खेलने उतरी साउथ अफ्रीका की टीम ने बहुत ही निराशाजनक बल्लेबाजी की. टीम के 3 बल्लेबाज बिना खाता खोले शून्य पर ही आउट हुए, जबकि सिर्फ 4 बल्लेबाज डबल डिजिट स्कोर तक पहुंचने में सफल हुए. इसमें टोनी डी जॉर्जी 28(22), एडेन मार्करम 12(21) और 33(49) और तबरेज शम्सी 11(8) रन की पारी शामिल रही. इस तरह साउथ अफ्रीका की पूरी टीम पहले वनडे मैच में 116 के स्कोर पर ही ऑलआउट हो गई.

सावधान! कोरोना से फिर होने लगी मौत, सामने आया कोविड–19 का नया वैरिएंट

नई दिल्लीः एजेंसी

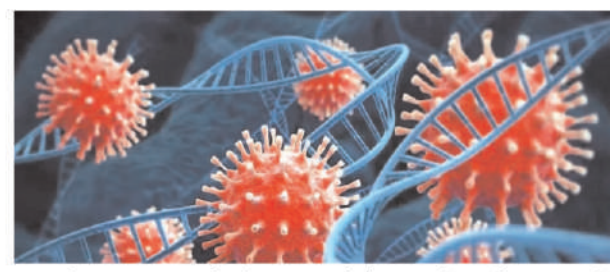

साल 2020 और 2021 में तबाही मचाने के बाद कोरोना फिर एक बार वापस आ गया है। कोविड की वजह से फिर से मौतें होने लगी हैं। कोरोना वायरस के संक्रमण को लेकर एक बार फिर से सावधान रहने की नौबत आ गई है। नया साल आने से पहले कोविड–19 का फिर से एक नया सबवैरिएंट सामने आया है। भारत में इसका पहला मामला केरल में सामने आया है। इसके साथ ही यहां कोरोना से पीड़ित दो मरीजों की मौत की खबर सामने आ रही है।

कोरोना के नए वर्जन के सामने आते ही केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय एक बार फिर से सावधान हो गया है। मंत्रालय ने राज्य के स्वास्थ्य अधिकारियों और संस्थाओं को अलर्ट कर दिया है। इसके साथ ही

मंत्रालय ने स्वास्थ्य सुविधाओं की मॉक ड्रिल करने के भी निर्देश दे दिए हैं। जिससे अगर यह वैरिएंट अगर अपने पैर पसारता है तो इससे निपटा जा सके। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय की तरफ से जारी निर्देश के अनुसार, केरल में नए सबवैरिएंट खठ.1 के दो मामले सामने आये हैं। इसकी वजह से एक मरीज की मौत भी हुई है।

वहीं केरल में कोरोना के मामले सामने आने के बाद कर्नाटक प्रदेश सरकार भी अलर्ट हो गई है। इस बाबत राज्य के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने आपात बैठक भी की है। इसमें उन्होंने अधिकारियों को सभी हालातों से निपटने के लिए तैयार रहने को कहा है। इसके साथ ही उन्होंने मास्क, ऑक्सीजन सिलेंडर, दवाओं समेत अन्य सभी आवश्यक वस्तुओं के भंडारण का आदेश दिया है।

गजरौला सीएचसी प्रभारी के खिलाफ भड़के बजरंग दल के कार्यकर्ता

गजरौला (सौरभ कुमार गोस्वामी) : सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने धरना प्रदर्शन किया।इस दौरान धरने पर बैठे बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने गजरौला सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रभारी पर रिश्वत लेने, प्राईवेट एंबुलेंस द्वारा सीएचसी से मरीज को निजी अस्पताल पहुंचाने और पैसे लेकर गलत मेडिकल बनाने के गंभीर आरोप लगाते हुए स्वास्थ्य विभाग हाय हाय के नारे लगाए।

औद्योगिक नगरी गजरौला मे स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में सोमवार को बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने सीएचसी प्रभारी डॉक्टर योगेंद्र सिंह व स्वास्थ्य विभाग के खिलाफ जमकर धरना प्रदर्शन किया। धरना प्रदर्शन के दौरान धरने पर बैठे बजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने सीएचसी प्रभारी गजरौला डॉ योगेंद्र सिंह पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि गजरौला के सीएचसी प्रभारी एक नंबर के रिश्वतखोर है। कमजोर और मजलूमों की आवाज को नहीं सुनते और कोई पैसे वाला इनसे गलत तरीके से मेडिकल करने आ जाए तो रिश्वत लेकर यह उसकी मन की इच्छा मेडिकल तैयार कर देते हैं। उन्होंने कहा कि गजरौला क्षेत्र के निजी अस्पताल उनके ही रहमों करम पर चल रहे हैं। जिनकी एम्बुलेंस 24 घंटे अस्पताल के अंदर ही खड़ी रहती है जो मरीजो को सरकारी अस्पताल से निजी अस्पताल में ले जाने का काम करती हैं। इसके बारे में बजरंग दल के कार्यकर्ता योगेश कुमार का कहना है कि निजी अस्पताल संचालकों और गजरौला सीएचसी प्रभारी की अच्छी सांठगांठ है। अस्पताल में यदि कोई सीरियस मरीज आता है तो वह जानबूझकर निजी अस्पताल के लिए भेज देते हैं। क्षेत्र के निजी अस्पताल संचालक और उनकी एंबुलेंसें रोजाना सरकारी अस्पताल पर ही देखी जाती हैं जो मरीज को निजी अस्पताल ले जाने का काम करती हैं और निजी अस्पताल संचालक उनसे मनमानी रकम वसूलते हैं।अस्पताल में धरना प्रदर्शन के दौरान लगाए गए हाय हाय के नारे गलत मेडिकल बनाने का लगाया आरोपबजरंग दल के कार्यकर्ताओं ने अस्पताल में धरना प्रदर्शन के दौरान स्वास्थ्य विभाग हाय हाय के नारे भी लगाए और सीएचसी प्रभारी पर गलत मेडिकल बनाने का आरोप भी लगाया। आपको बता दें कि बीते 5 दिसंबर 2023 को गजरौला के मोहल्ला बसंत विहार के रहने वाले प्रशांत गोस्वामी पुत्र स्वर्गीय ओमपाल सिंह जो कि विश्व हिंदू परिषद बजरंग दल के कार्यकर्ता हैं उनके साथ विवाद हो गया था। जिसमें वह घायल हो गए थे और मेडिकल के लिए गजरौला सीएचसी में पहुंचे थे।इस पूरे मामले को लेकर बजरंग दल के कार्यकर्ता योगेश कुमार कुशल चौधरी व गौरव गोस्वामी का कहना है कि सीएचसी प्रभारी ने मेडिकल की रिपोर्ट गलत तैयार की थी जो कि समय पर पुलिस को उपलब्ध नहीं कराई गई। जिससे आरोपियों पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं हो पाई है। लगभग 10, 12 दिन से हमारा कार्यकर्ता घायल प्रशांत गोस्वामी और उसके परिजन अस्पताल के चक्कर लगा रहे हैं लेकिन डॉक्टर योगेंद्र सिंह उन्हें आए दिन कोई न कोई नया बहाना लेकर टालते रहे है। जिस कारण मजबूरन हमें आज अस्पताल पर जाकर धरना प्रदर्शन करना पड़ा है।

वही इस पूरे मामले को लेकर जब सीएचसी प्रभारी योगेंद्र सिंह से बातचीत की गई तो उन्होंने कहा कि मुझ पर लगाए गए सभी आरोप झूठे हैं आगे उन्होंने कहा कि जिस मामले को लेकर यह पूरा प्रकरण है मैंने कहा था कि री मेडिकल का ऑप्शन होता है आप दोबारा से मेडिकल करा सकते हैं। वही जब इस पूरे मामले को लेकर सीएमओ अमरोहा से बातचीत की गई तो उन्होंने बताया कि मैं उस समय हसनपुर था। मुझे जैसे ही पूरे मामले का पता लगा तो मैं सीएचसी गजरौला पहुंच गया। मैने खुद लोगों को समझाया वही पूरे मामले को लेकर सीएमओ ने कहा कि उसमें डॉक्टर योगेंद्र की कोई गलती नहीं थी। उन पर केवल प्रेशर बनाया जा रहा था हालांकि एक्सरे रिपोर्ट भी नॉर्मल थी। और कहा कि लगाए गए आरोपों की जांच भी की जाएगी।

संक्षेप खबरें

हाईवे पर प्राइवेट बस में तोड़फोड़, चालक को पीटा

अमरोहा: नेशनल हाईवे पर रजबपुर थाना क्षेत्र में शुक्रवार रात कार सवार युवकों ने सवारियों से भरी बस पर हमला बोल दिया। उन्होंने चालक के साथ मारपीट की। साथ ही बस में तोड़फोड़ की। सवारियों में चीख–पुकार मच गई। हाईवे पर अफरा–तफरी के बीच कुछ देर तक जाम के हालात बने रहे। पुलिस के पहुंचने से पहले ही हमलावर फरार हो गए। पुलिस ने इस मामले में चार आरोपी युवकों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। हमले के पीछे बसों की डग्गमारी के लेकर रंजिश बताई जा रही है।

शुक्रवार रात की यह घटना हाईवे पर वेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी के पास की है। हापुड़ जिले के सिंभावली थाना क्षेत्र के गांव मुरादपुर निवासी आमिर एक प्राइवेट बस का चालक है। वह दिल्ली से शाहजहांपुर रूट पर बस चलाता है। शुक्रवार रात आमिर बस में सवारी लेकर दिल्ली से शाहजहांपुर की ओर जा रहा था। बताया जा रहा है कि जब वह वेंकटेश्वरा यूनिवर्सिटी के पास पहुंचा तो पीछे से आई एक कार में सवार युवकों ने ओवरटेक कर बस को रोक लिया। इसके बाद कार से उतरे युवकों ने चालक आमिर की नीचे उतार लिया और उसके साथ मारपीट की।

उमा नागर ने किया भारत संकल्प यात्रा का स्वागत

हसनपुर (भोला गुर्जर):– अमरोहा जनपद के हसनपुर तहसील के ब्लॉक तिराहे पर विकसित भारत संकल्प यात्रा का स्वागत किया गया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संबोधन ब्लॉक तिराहे पर जिला महामंत्री महिला मोर्चा उमा नागर ने लाभार्थियों के साथ सुना। तथा उसकी सरहाना की।

उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार में अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंच रहा है व पात्र जनता को समस्त योजनाओं का लाभ देने के लिए विकसित भारत संकल्प यात्रा की शुरुआत की गई है। जिससे कि कोई भी पात्र व्यक्ति सरकार की द्वारा चलाई जा रही जनकल्याणकारी योजनाओं से वंचित न रह सके।

इस मौके पर हसनपुर चेयरमैन राजपाल सैनी, ईओ प्रदीप नारायण दीक्षित, मुन्ना चौहान, संगीता कश्यप, बीजेपी मंडल अध्यक्ष संजय शर्मा, जिला उपाध्यक्ष मयंक अग्रवाल और मनी कुमार सहित सैकड़ो की संख्या में लोग मौजूद रहे।

तहसील बार ने किया अधिवक्ताओं को सम्मानित

अमरोहा, सदर तहसील बार एसोसिएशन के संयोजन में शनिवार को अमरोहा बार के संस्थापक एवं पूर्व संरक्षक कृष्ण चंद सिंघल की स्मृति में अधिवक्ता सम्मान समारोह आयोजित किया गया।

बार अध्यक्ष हबीब अहमद की अध्यक्षता में हुए आयोजन के दौरान आरसी गोयल, महफूज अली सिद्दीकी, आसिफ हसन, मुस्तेहसन खां, एसपी सक्सेना व बार के पूर्व अध्यक्ष मंसूर अहमद, पुष्कर लाल गुप्ता, चंद्रपाल सिंह, असलम सिद्दीकी, सिब्ते जरगाम, हरज्ञान सिंह, शमीम अहमद तुर्क, युसुफ गौरी, केसी चौहान, नईम अहमद तुर्क, प्रमोद भटनागर, मोहसिन अख्तर, सीमा सक्सेना, मोहम्मद साबिर, मोहम्मद हुसैन, हुक्म सिंह चौहान, सर्वेश कुमार सक्सेना, पुष्पेंद्र कुमार समेत अन्य अधिवक्ताओं को सम्मानित किया गया। बार अध्यक्ष हबीब अहमद ने एकजुटता पर जोर दिया। कहा कि एकजुट रहकर बार को मजबूत बनाएं। इस दौरान सउद्द आसिफ, नासिर तुर्क, वसीम अहमद तुर्क, सतेंद्र पाल सिंह, सुरेंद्र सिंह, शौकीन मंसूरी आदि मौजूद रहे। संचालन अधिवक्ता अमजद इदरीसी ने किया।

घरेलू क्लेश में युवती ने खाया जहर, डेयरी संचालक ने लगाई फांसी

अमरोहा। घरेलू क्लेश से क्षुब्ध युवती ने जहर खा लिया। निजी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वहीं, दूसरी ओर नौगावां सादात क्षेत्र में भी डेयरी संचालक ने फांसी लगाकर जान दे दी। परिजनों ने बिना कानूनी कार्रवाई शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गांव शाहपुर उर्फ पैगंबरपुर निवासी किसान जहीर अहमद के परिवार में पत्नी के अलावा तीन बेटी व एक बेटा हैं। बताया जा रहा है कि शुक्रवार शाम उनकी पत्नी ने किसी बात को लेकर अपनी 19 वर्षीय बेटी शमा परवीन को डांट दिया था। इससे नाराज होकर शमा ने घर में रखा कोई जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ने पर परिजन उसे निजी चिकित्सक के यहां लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई।

पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वहीं, दूसरा मामला नौगावां सादात थाना क्षेत्र के गांव पृथीपुर सराय का है। गांव निवासी कृपाल सिंह पेशे से डेयरी संचालक थे। बताया जाता है कि वह बीते कई दिन से घरेलू क्लेश के चलते तनाव में थे। शुक्रवार शाम परिवार के सभी लोग खाना खाकर सो गए थे। इसी बीच रात में किसी समय कृपाल सिंह घर से उठकर बाहर निकल गए और जंगल में आम के पेड़ पर लटककर फांसी लगा ली। शनिवार सुबह लोगों को उनका शव पेड़ पर लटका मिला। परिजनों ने बिना कानूनी कार्रवाई शव का अंतिम संस्कार कर दिया।

शादी के बाद प्रेमी ने किया दुष्कर्म

अमरोहा, प्रेमी ने शादी का झांसा देकर दुष्कर्म किया, बाद में वादे से मुकर गया। पंचायत में फैसला होने के बाद परिजनों ने युवती की शादी कर दी लेकिन प्रेमी शादी के बाद भी उसे ब्लैकमेल करता रहा।

होटल में बुलाकर दुष्कर्म किया, पता चलने पर पति ने तीन तलाक दे देकर रिश्ता खत्म कर लिया। पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी प्रेमी के खिलाफ दुष्कर्म के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू की है।

मामला डिडौली कोतवाली क्षेत्र के एक गांव से जुड़ा है। यहां रहने वाले आरोपी का गांव निवासी युवती के साथ प्रेम प्रसंग चल रहा था। आरोप है कि उसने शादी का झांसा देकर युवती के साथ शारीरिक संबंध बना लिए लेकिन बाद में वह अपने वादे से मुकर गया। पंचायत में समझौते के आधार पर युवती पक्ष के लोगों ने उस वक्त कार्रवाई भी नहीं की। आरोप है कि शादी के बाद भी प्रेमी कॉल करकर युवती को परेशान करने लगा। ससुराल के लोगों को सब कुछ बताने की धमकी देते हुए ब्लैकमेल भी किया।

बीबी की शहादत का वाक्या सुन आंखें हुई नम

अमरोहा : बीबी फातिमा की शहादत पर आजा–ए–मासूमाए आलम शीर्षक से इमामबाड़ा जाफरी में पांच दिवसीय मजलिस का सिलसिला शनिवार रात भी जारी रहा। बीबी की शहादत का वाक्या सुनकर मजलिस में मौजूद लोगों की आंखें नम हो गईं।

मुजफ्फरनगर से आए मौलाना रजा हैदर काजमी ने रसूले खुदा की बेटी बीबी फातिमा जहरा की जिंदगी और शहादत पर बयान किया। कहा कि ख्वातीन को बीबी फातिमा की जिंदगी से सबक हासिल करना चाहिए, बीबी ने हर रिश्ते को बखूबी निभाया, पूरी जिंदगी को दीन के मुताबिक गुजारा और राहे खुदा में अपना पूरा घर कुर्बान कर दिया।

मजलिस में सैय्यद हसन इमाम नकवी, सैय्यद सिब्ते सज्जाद नकवी, मुद्दासिर अली खान, अफजाल हैदर व तबारक अली ने सोज–सलाम व मर्सिया पेश किया। इस दौरान फिजा गमगीन बनी रही, आखिर में संयोजक अख्तर अब्बास अप्पू की ओर से तबर्रुक (प्रसाद) का वितरण किया गया।

स्कूल के लिए निकली छात्रा प्रेमी के प्यार में ग्रेटर नोएडा पहुंची

अमरोहा। एक अजब मामला सामने आया है। जहां स्कूल जाने के बहाने से घर से निकली छात्रा ग्रेटर नोएडा प्रेमी के पास पहुंच गई। उधर, युवती के परिजनों ने युवक पर बहला–फुसला कर ले जाने का आरोप लगाते हुए तहरीर दी है। दूसरी ओर मामले की जानकारी होने पर पुलिस प्रेमी युगल को ढूंढने में जुट गई है।

ये घटना रजबपुरा थाना क्षेत्र के एक गांव का है। जहां किसान की बेटी इंटरमीडिएट की छात्रा है। बताया जा रहा है कि 7 दिसंबर की सुबह 19 वर्षीय छात्रा स्कूल जाने की बात कहकर घर से निकली थी लेकिन वह कॉलेज नहीं पहुंची। शाम को जब वह वापस घर नहीं लौटी तो परिजनों ने तलाश शुरू कर दी लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। जानकारी मिली कि छात्रा का प्रेम प्रसंग ग्रेटर नोएडा निवासी युवक अभिषेक उर्फ आकाश श्रीवास्तव से चल रहा था। वह स्कूल के बहाने घर से निकल कर प्रेमी के पास ग्रेटर नोएडा गई है। मामले में छात्रा के परिजनों ने आरोपी प्रेमी पर बेटी को बहला–फुसला कर ले जाने का आरोप लगाते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई है। एसओ अलका चौधरी ने बताया कि छात्रा की तलाश जारी है। जल्दी ही उसे बरामद कर लिया जाएगा। उधर नौगावां सादात थाना क्षेत्र के एक गांव में भी प्रेमी युगल लापता हो गया। गांव निवासी युवक गोपाल का प्रेम प्रसंग गांव की ही निवासी एक युवती से चल रहा था। 15 दिसंबर की रात को दोनों गांव से लापता हो गए। युवती के भाई ने गोपाल के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज करा दी है। पुलिस प्रेमी युगल को तलाश कर रही है। रामपुर में मुंह बोले भाई ने कांड कर डाला। दरअसल पति की गैर मौजूदगी में विवाहिता और उसके दोनों बच्चों को लेकर फरार हो गया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में पेंशनर्स दिवस का किया गया आयोजन

पेंशनर्स दिवस के आयोजन के दौरान मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने एक एक करके क्रमशः सभी विभागों की पेंशनरो की समस्याओ को सुनते हुऐ त्वरित निराकरण हेतु विभागीय अधिकारियो को निर्देशित किया।

अमरोहा : जिलाधिकारी राजेश कुमार त्यागी की अध्यक्षता में अध्यक्षता में मुख्य विकास अधिकारी अश्विनी कुमार मिश्र नामित अधिकारी की उपस्थिति में पेंशनर्स दिवस का आयोजन कलेक्ट्रेट सभागार में किया गया। पेंशनर्स दिवस के आयोजन के दौरान मुख्य विकास अधिकारी अश्वनी कुमार मिश्र ने एक एक करके क्रमशः सभी विभागों की पेंशनरों की समस्याओं को सुनते हुऐ त्वरित निराकरण हेतु विभागीय अधिकारियों को निर्देशित किया। जिलाधिकारी ने सभी पेंशनर्स को पेंशन दिवस की बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि एक सप्ताह में सभी विभाग पेंशनर की समस्याओं का समाधान प्राथमिकता के साथ करें। जहां पर आवश्यक हो संबंधित विभाग से रिपोर्ट ले लिया जाए। किसी भी स्तर पर यदि समस्या आ रही है तो उसका निदान कर पेंशनरों की समस्याओं को हल किया जाए पेंशनरों की समस्याएं किसी भी स्थिति में लंबित नहीं होनी चाहिए। पेंशनरों की ज्यादा समस्याएं बेसिक और माध्यमिक शिक्षा में होने पर जिलाधिकारी ने एक सप्ताह में समस्याओं के निस्तारण के निर्देश जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को दिए।

इस अवसर पर मुख्य चिकित्सा अधिकारी, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, जिला लेखा अधिकारी, मुख्य कोषाधिकारी आस्था तिवारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी पेंशनर एसोसिएशन के अध्यक्ष उपाध्यक्ष सचिव सहित अन्य संबंधित मौजूद रहे।

पेरेंट्स की ये 5 बुरी आदतें खराब कर देती हैं बच्चों का भविष्य

बावजूद इसके क्या आप जानते हैं, कई बार माता–पिता की कुछ खराब आदतें बच्चों के भविष्य की दुश्मन बन जाती हैं। बच्चों को अच्छी परवरिश देने के बावजूद उनके कदम गलत राह पर निकल जाते हैं। बच्चों के भविष्य को निखारने के लिए आइए जान लेते हैं पेरेंट्स की 5 ऐसी खराब आदतों के बारे में, जिन्हें उन्हें सबसे पहले दूर करना चाहिए।

अमरोहा : माता–पिता अपने बच्चों के भविष्य को निखारने के लिए दिन–रात मेहनत करते हैं। शायद ही कोई पेरेंट्स होंगे जो अपने बच्चे के लिए बुरा सोचेंगे। बावजूद इसके क्या आप जानते हैं, कई बार माता–पिता की कुछ खराब आदतें बच्चों के भविष्य की दुश्मन बन जाती हैं। बच्चों को अच्छी परवरिश देने के बावजूद उनके कदम गलत राह पर निकल जाते हैं। बच्चों के भविष्य को निखारने के लिए आइए जान लेते हैं पेरेंट्स की 5 ऐसी खराब आदतों के बारे में, जिन्हें उन्हें सबसे पहले दूर करना चाहिए।

पेरेंट्स को तुरंत बदल देनी चाहिए अपनी ये खराब आदतें–

छोटी–छोटी बातों पर डांटना–

कई बार पेरेंट्स पार्टनर या ऑफिस की नाराजगी अपने बच्चों पर निकालने लगते हैं। ऐसे पेरेंट्स छोटी–छोटी बातों पर अपने बच्चों को डांटते या उन पर चिल्लाते रहते हैं। धीरे–धीरे बच्चों को डांटना उनकी आदत बन जाती है। समय के साथ जिसका बुरा असर बच्चों पर भी पड़ने लगता है। ऐसे बच्चे अपने पेरेंट्स को नापसंद करने के साथ उनसे बातें शेयर करने से भी डरते हैं। इतना ही नहीं ऐसे बच्चे स्वभाव से भी गुस्सैल बना सकते हैं। अपने बच्चे को हमेशा प्यार से डील करें।

बच्चों के लिए ना करें गलत शब्दों का प्रयोग–

कई बार माता–पिता बच्चों की कुछ आदतों से परेशान होकर उसे भला–बुरा कहने लगते हैं। लेकिन ऐसा बिल्कुल ना करें। अच्छी पैरेंटिंग का मतलब होता ही कि आप कितने ही गुस्से या नाराजगी में क्यों ना हो, लेकिन यह बात बच्चे के सामने जाहिर ना करें।

दूसरे बच्चों से तुलना ना करें–

यह आदत ज्यादातर पेरेंट्स में देखने को मिलती है। ऐसे पेरेंट्स अक्सर अपने बच्चों की तुलना दूसरे बच्चों से करके उनका मनोबल गिराते रहते हैं। ध्यान रखें, हर बच्चे की अपनी एक अलग खासियत होती है। इसलिए कभी भी अपने बच्चे की तुलना दूसरे बच्चों से ना करें। बच्चे को हमेशा उसकी खासियत बताकर प्रोत्साहित करें।

हर जिद्द पूरी ना करें–

कई बार बच्चों की हर जिद्द को पूरा करना उन्हें बिगाड़ सकता है। कई बार माता–पिता बच्चे के कुछ मांगने से पहले ही उसे वो चीज लाकर दे देते हैं। आपकी ये आदत बच्चों पर बुरा असर डाल सकती है। बच्चे के लिए कुछ भी खरीदते समय माता–पिता हमेशा इस बात का ख्याल रखें कि बच्चे को उस चीज की जरूरत हकीकत में होनी चाहिए।

गैजेट्स की छूट ना दें–

आजकल पेरेंट्स बिजी होने की वजह से बच्चे को टाइम पास करने के लिए अपना मोबाइल दे देते हैं। जिसकी वजह से बच्चों का ज्यादातर समय स्मार्टफोन और गैजेट्स के साथ गुजरता है। जिसका सीधा असर उनकी आंखों और मेंटल हेल्थ पर भी पड़ता है। ऐसे में अपनी आदत को बदलें और बच्चे के साथ खुद थोड़ा समय बिताएं। बच्चे को मैदान में खेलने के लिए प्रोत्साहित करें।

प्रेम विवाह करने के तीन साल बाद रिश्ते में दरार, पत्नी को घर से निकाला

अमरोहा, प्रेम प्रसंग के बीच परिजनों के खिलाफ जाकर गांव निवासी युवक से कोर्ट मैरिज करने वाली युवती अब ससुराल में परेशान है। मामले में पीड़िता की तहरीर पर पुलिस ने पति समेत पांच लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है।

मामला डिडौली कोतवाली क्षेत्र के गांव ड्योढ़ी वाजिदपुर का है। यहां के निवासी अमित कुमार का प्रेम प्रसंग गांव की ही निवासी एक युवती से चल रहा था। युवती ने परिजनों की मर्जी के खिलाफ प्रेमी से कोर्ट मैरिज कर ली और फिर दोनों गांव में ही रहने लगे।

आरोप है कि शादी के कुछ दिन बाद ससुराल में दहेज न लाने के ताने देकर युवती को प्रताड़ित किया जाने लगा। विरोध पर मारपीट की जाती थी। पीड़िता ने डिडौली कोतवाली में तहरीर दी। प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार ने बताया कि पति अमित, सतवीर, संजय, किरन व कविता के रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

रामलला को हाथरस का सुगंधित इत्र सौंपा

हाथरस ; अयोध्या में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा की तिथि तय होने के बाद देश भर से रामभक्त अपनी ओर से अनूठी भेंट चढ़ाने के लिए अनवरत आ रहे हैं। इसी कड़ी में गिरिराज मित्र मंडल के तत्वावधान में हाथरस नगरपालिका के निवर्तमान चेयरमैन आशीष शर्मा के साथ सैकड़ों सदस्य गुलाब के सुगंधित इत्र के अलावा वृज के मंदिरों की रज व चंदन के साथ यमुना नदी का पवित्र जल लेकर आए। इस प्रतिनिधि मंडल ने इत्र समेत सभी सामग्रियों को कारसेवकपुरम में श्रीरामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र महासचिव चंपतराय को भेंट किया।

इस मौके पर उन्होंने हाथरस के भक्तों का अभिवादन करते हुए आभार जताया। इसके उपरांत भक्तों की इच्छा नुसार विराजमान रामलला का दर्शन कराने की व्यवस्था की और उनकी ओर से रामलला को 56 भोग अर्पित करने की अभिलाषा भी पूर्ण कराई। तीर्थ क्षेत्र महासचिव ने स्वास्थ्य के कारणों से मीडिया से बातचीत से परहेज किया। उधर हाथरस नगरपालिका के पूर्व चेयरमैन महापौर शर्मा ने बताया कि हमारे यहां गुलाब की खेती होती है और उससे इत्र बनता है। उन्होंने बताया कि हम लोगों ने रामलला के चरणों में हाथरस का इत्र समर्पित करने का निर्णय लिया था। इसके लिए छह महीने से जैविक खेती कर वैज्ञानिक रीति से इत्र इकट्ठा किया है और प्राण-प्रतिष्ठा के दौरान इस इत्र का प्रयोग रामलला के लिए हो।

हाथरस नगरपालिका पूर्व चेयरमैन शर्मा ने बताया कि अयोध्या प्रस्थान से पहले शब्बो बाबा, सियाराम शर्मा, ललित शर्मा, हरवान सिंह व विमल प्रधान सहित पूरे समूह के साथ वृज की 84 कोस परिक्रमा की परिधि में पड़ने वाले मंदिरों व संतो के आश्रमों की रज व चंदन को एकत्र किया।

इसके साथ यमुना नदी का जल लेकर आए हैं। बीती रात पहुंचने के बाद सभी सदस्यों ने विश्राम किया। पुन प्रात मां सरयू के पुण्य सलिल में डुबकी लगाई। इसके बाद सबसे पहले कारसेवकपुरम में लाई गयी वस्तुओं को भेंट की गई।

प्राण प्रतिष्ठा से पहले कितना पूरा हो गया राम मंदिर का काम ?

अयोध्याः अयोध्या में रामलला के प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव की तिथि 22 जनवरी भले तय हो गयी है लेकिन नवीन मंदिर में विराजित होने वाले रामलला के नवीन विग्रह के चयन पर सस्पेंस बरकरार है। श्रीरामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र के अधिकृत सूत्रों की मानें तो निर्णय हो चुका है। निर्णय को सार्वजनिक किया जाना बाकी है। इसके कारण प्रथम तल के गर्भगृह में प्रतिष्ठित होने वाले राम दरबार अथवा परिवार के विग्रहों का निर्माण भी रुका है। वैसे जयपुर के मूर्धन्य मूर्तिकार सत्यनारायण पाण्डेय का दावा है कि उन्होंने राम दरबार के विग्रहों का निर्माण भी शुरू कर दिया है। फिलहाल राम मंदिर के सुपर स्ट्रक्चर के प्रथम तल का निर्माण चल रहा है और इसके छत ढ़ालने की तैयारी की जा रही है।

श्रीरामजन्म भूमि तीर्थ क्षेत्र के न्यासी डा. अनिल मिश्र का कहना है कि तीर्थ क्षेत्र की ओर से एक दिन पूर्व सोशल मीडिया

में जारी किए तस्वीर में साफ देखा जा सकता है कि प्रथम तल में शटरिंग लगाकर आर्च के पत्थरों की सेटिंग की जा रही है। उन्होंने बताया कि इन्हीं आर्च के निर्माण के बाद छत की ढ़लाई शुरू हो जाएगी। उन्होंने बताया कि भूतल के ऊपरी हिस्से में रंग मंडप व नृत्य मंडप तो दिखाई देगा लेकिन गूढ़ी मंडप की ऊंचाई अधिक होने के कारण यह प्रथम तल के ऊपर तक जाएगा। उन्होंने बताया कि प्रथम तल के निर्माण के समानांतर द्वितीय तल के भी कालम किनारे - किनारे खड़े की किए जा रहे हैं।

तीर्थ क्षेत्र के न्यासी डा. अनिल मिश्र बताते हैं कि भूतल पर जहां रामलला विराजित होंगे, उसके ऊपर 161 फिट शिखर के निर्माण को लेकर कई तरह से भ्रम की स्थिति है। उन्होंने इस भ्रम का निवारण करते हुए बताया कि पांच अगस्त 2020 को जिस भूमि तल पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भूमि पूजन किया था.

बड़े भाई के सामने ही छोटे की गोली मारकर हत्या, साइकिल से भागे हत्यारे

बरेलीः यूपी के बरेली में बदमाशों के हौसले बुलंद है। दरअसल रविवार को हाईस्कूल के एक छात्र की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वहीं वारदात को अंजाम देने के बाद बदमाश मौके से भाग निकले दूसरी ओर सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक युवक की हत्या आपसी रंजिश के तहत हुई है।

ये घटना भमोरा थाना क्षेत्र के गिलौरा का है। जहां 16 साल का सूर्यांश उर्फ टीटू रविवार दोपहर ढाई बजे अपने बड़े भाई दिव्यांश उर्फ नितिन के साथ मोटरसाइल में तेल भरवाने बल्लिया के पेट्रोल पंप पर गया था। उधर से लौटते समय सूर्यांश बाइक चला रहा था। इसी बीच रास्ते में साइकलिस सवार दो लड़के आगे से आ गए और एक ने सूर्यांश पर गोली चला दी। वहीं, गोली लगने के बाद सूर्यांश लहूलुहान होकर जमीन पर गिर पड़ा। इस मामले में आंवला के पुलिस क्षेत्राधिकारी राजुकमार मिश्रा ने बताया कि घटना का कारण प्रथम दृष्टिया आपसी रंजिश बताई जा रही है.

संक्षेप खबरें

बच्ची का कलेजा निकाल कर खाने वाले पति-पत्नी समेत चार को उम्रकैद

कानपुर देहात, कानपुर में तांत्रिक के कहने पर बच्ची की हत्या कर कलेजा खाने के मामले में पति-पत?नी समेत चार लोगों को कोर्ट ने उम्रकैद की सजा सुनाई है। पति-पत्नी पर 20-20 हजार तो दो अन्य दोषियों पर 45-45 हजार रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

घाटमपुर स्थित एक गांव में 14 नवंबर 2020 की शाम घर के बाहर खेल रही सात साल की बच्ची अचानक लापता हो गई थी। रात भर तलाशने के बाद दूसरे दिन गांव के बाहर उसका क्षत-विक्षत शव बरामद हुआ था। पिता ने गांव के अंकुल, वंशलाल, कमलराम, बाबूराम व सुरेश जमादार के खिलाफ तंत्र-मंत्र के चक्कर में बेटी की हत्या की एफआईआर दर्ज कराई।तांत्रिक ने बच्चे का कलेजा खाने की सलाह दी थी विवेचना के दौरान पुलिस को पता चला कि वीभत्स कांड के पीछे निसंतान दंपति की भूमिका है। सुरागों के आधार पर पुलिस ने इन नामों को आरोपियों की सूची से हटा दिया और गांव के परशुराम और उसकी पत्नी सुनैना को धर-दबोचा। जांच में पता चला कि शादी के 19 साल बाद भी दंपति को कोई संतान नहीं हुई थी। एक तांत्रिक ने उन्हें बच्चे का कलेजा खाने की सलाह दी थी।बिटिया से हैवानियत के तीन साल बीतने के बाद पहली बार माता-पिता की आंखों में संतोष के भाव दिखाई दिए। उधर अदालत ने फैसला सुनाया, इधर दंपति की आंखें छलक पड़ीं। तीन साल पहले बेटी संग दरिंदगी की घटना के दर्द पर मानों अदालत ने मरहम लगा दिया।

दूसरे समुदाय की युवती से की शादी तो दबंगों ने फूंक दी एकेडमी

बरेली, यूपी के बरेली जिले में दूसरे समुदाय की युवती से शादी करना एक युवक को महंगा पड़ गया। सुभाषनगर के गांव अंगूरी ठाकुरान निवासी स्पोर्ट्स एकेडमी के संचालक ने दूसरे समुदाय की युवती से शादी की है। इसको लेकर गांव के कुछ दबंग विरोध करने लगे। इसके चलते गांव के तीन दबंगों ने एकेडमी संचालक से विवाद किया और फिर रात में वहां आग लगा दी। इससे वहां रखा स्पोर्ट्स का काफी सामान जलकर राख हो गया। इस मामले में उन्होंने थाना सुभाषनगर में शिकायत की लेकिन पुलिस ने घटना की रिपोर्ट नहीं दर्ज की।

अंगूरी टांडा निवासी विजय पाल सिंह ने बताया कि उन्होंने गांव में ही खेलकूद सिखाने के लिए फिजिकल कोचिंग एकेडमी खोल रखी है। उनकी यह संस्था सरकार से भी रजिस्टर्ड है। आसपास के गांवों के लड़के-लड़कियां उनके पास खेलकूद सीखने आते हैं। उन्होंने दूसरे समुदाय की युवती से प्रेम विवाह किया है। इसको लेकर गांव के कुछ दबंग उनसे नाराज हैं और गालीगलौज करते हैं। इसी नाराजगी के चलते शुक्रवार रात करीब साढ़े आठ बजे गांव के ही तीन लड़के उनकी एकेडमी की बाड़ में लगे बांस के डंडे तोड़ रहे थे। उन्होंने लड़कों को डांट दिया। इस पर आरोपियों के घरवाले उनसे झगड़े पर आमादा हो गए।उन्होंने यूपी 112 पुलिस को फोन कर दिया, जिसके बाद आरोपियों के परिजन समझौते की बात कहने लगे और तोड़े गए डंडे दोबारा लगवा दिए। विजय ने बताया कि पुलिस के डर से आरोपियों ने एकेडमी की बाड़ के डंडे तो लगा दिए लेकिन सबक सिखाने की धमकी दी।

तेज़ रफ्तार का कहर, स्कॉर्पियो ने मां-बेटे समेत तीन को कुचला

हरदोईः यूपी के हरदोई से एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है। जहां एक बाइक सवार को रौंदते हुए स्कॉर्पियो ने सड़क किनारे चल रहे मां-बेटे समेत तीन लोगों को कुचल दिया। इससे तीनों घायल हो गए। परिजन आनन-फानन में तीनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं, यह दर्दनाक घटना पास के एक सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गया।

ये घटना हरदोई-बिलग्राम स्टेट हाइवे पर कोतवाली शहर क्षेत्र में फर्दापुर के पास का है। सावित्री अपने 13 साल के बेटे रामजी और 8 साल के भतीजे अनुराग के साथ शनिवार की शाम खेत पर बथुआ लेने के लिए गई थी। दोनों बच्चों के साथ सावित्री सड़क के किनारे पैदल गांव जा रही थी। गांव के कुछ अन्य बच्चे भी साथ चल रहे थे। इसी बीच फर्दापुर गांव के पास पीछे से हरदोई की ओर से तेज रफ्तार से आ रही स्कॉर्पियो ने सभी को रौंदते हुए बाइक में टक्कर मारते हुए मौके से फरार हो गई। यह पूरी घटना पास में ही लगे सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई।

घटना के बाद जब सीसीटीवी फुटेज देखे गए तो हादसे को देखकर लोगों के दिल कांप उठे। सभी घायलों का इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। डॉक्टरों के मुताबिक उनकी हालत खतरे से बाहर है। वहीं ट्रैफिक सीओ अंकित मिश्रा ने बताया कि हादसे को लेकर मामले की जांच की जा रही है। तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

कोतवाल संजय पांडेय का कहना है कि कार का नंबर पता कर जानकारी की जा रही है। जल्द आरोपितों को पकड़ा जाएगा।परिजन आनन-फानन में तीनों घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया।

कोहरे की वजह से दिल्ली ट्रेनों का रूट डायवर्ट, कुछ ट्रेनें हुईं कैंसिल

देहरादून,देश के मैदानी शहरों में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। सर्दी के मौसम में आम जनजीवन भी अस्त-व्यस्त हो गया है। सर्दी के सितम के बीच मैदानी इलाकों में कोहरे की वजह से सीधा-सीधा असर यातायात पर पड़ रहा रहा है।

रोडवेज बसों की रफ्तार धीरी पड़ी है तो दूसरी ओर, ट्रेनों के संचालन पर भी काफी असर देखने को मिल रहा है। यूपी के कई शहरों से दूसरी राज्यों की ओर चलने वाली ट्रेनों के रूट डायवर्ट किए हैं तो घने कोहरे की वजह से ट्रेनों को कैंसिल भी करना पड़ रहा है। ट्रेनों के रूट डायवर्ट और कैंसिल करने की वजह से रेल यात्रियों की मुश्किलें भी दोगुनी हो गईं हैं। देश में सबसे ज्यादा लोग ट्रेनों से यात्रा करते हैं। लखनऊ, मुरादाबाद, लक्सर रूट की काफी ट्रेनें कोहरे के कारण तीन माह तक निरस्त हैं। रूट बदलने से यात्रियों को परेशानी तो होगी लेकिन सुरक्षा कारणों से यह जरूरी है। मुरादाबाद, लक्सर, हरिद्वार रूट की 14 ट्रेनें कोहरे के कारण एक दिसंबर से 2 मार्च तक के लिए निरस्त हैं।अब रेलवे ने इस रूट की 16 अन्य ट्रेनों के रूट डायवर्ट कर यात्रियों की परेशानी बढ़ा दी है।

76 साल से नहीं बन रही थी सड़क...मां-बाप के साथ धरने पर बैठी मासूम की ठंड से मौत

बरेली, यूपी के बरेली से एक दिल दहला देने वाली खबर सामने आई है। जहां 76 साल से सड़क न बनने से नाराज ग्रामीण शुक्रवार से नगर निगम गेट पर धरने पर बैठे थे। इस दौरान प्रदर्शन पर परिजनों के साथ बैठी एक मासूम की ठंड लगने से मौत हो गई। वहीं, जब मासूम की मौत की खबर अधिकारियों को लगी तो आनन-फानन में नगर विकास विभाग के प्रमुख सचिव को पत्र लिख धरना समाप्त करा दिया।

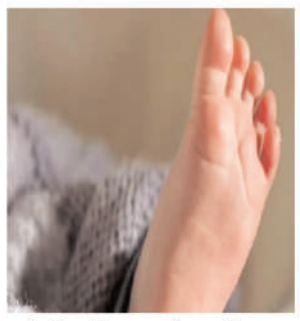

ये घटना सीबीगंज थाना क्षेत्र का है। जहां परसाखेड़ा गौटिया और गोकिलपुर गांव में सड़क निर्माण को लेकर ग्रामीण शुक्रवार सुबह 10 बजे से नगर निगम गेट धरने पर बैठे थे। ग्रामीणों के साथ हरीश चंद्र पत्नी पुष्पा, एक साल की बेटी विद्या के साथ धरने में शामिल हुए। रात में अधिक ठंड होने से उनकी बच्ची की तबीयत बिगड़ गई और शनिवार को उसने दम तोड़ दिया। जब इस बात की जानकारी आधिकारियों को हुई तो उन्होंने आनन-फानन में धरना समाप्त करा दिया।मृतक के पिता हरीश चंद्र ने बताया कि वह शुक्रवार वह अपनी छह बेटियों और एक बेटे को घर छोड़ कर धरने में शामिल हुए थे। उन्होंने धरना स्थल पर ही ग्रामीणों के साथ रात गुजारी। इस दौरान बेटी की तबीयत खराब हो गई। लेकिन कुछ देर बाद बेटी सो गई। दिन निकलने पर वह बेटी और पत्नी को लेकर गांव पहुंचे। यहां उन्होंने बेटी को गांव के ही एक डॉक्टर को दिखाया तो उसने निमोनिया बताया। हरीश चंद्र के अनुसार डॉक्टर ने कुछ देर के बाद कहा कि उनकी बेटी की मौत हो चुकी है। जानकारी पर गांव के तमाम लोग और रिश्तेदार जुट गए। शाम को उन्होंने बेटी को दफन कर दिया। इस मामले में अपर नगरायुक्त अजीत कुमार सिंह ने बताया कि काफी दुखद घटना है। निगम में दो मिनट का मौन रखा गया। वह समझा रहे थे कि रात में बच्चों और महिलाओं को धरने पर न रखें। घटना का हम सबको बेहद अफसोस है। परसाखेड़ा गौटिया में बच्ची के नाम से मार्ग का निर्माण कराया जाएगा।

मृतक बच्ची के पिता हरीश चंद्र का कहना है कि गांव में कोई संपर्क मार्ग नहीं है। मां, पिता या परिवार के लोग या गांव के लोग बीमार हो जाए तो यहां एंबुलेंस तक नहीं आती है। धरना प्रदर्शन करने का मकसद यही था कि गांव के हालात सुधरे। समस्या का हल नहीं हुआ तो फिर से बच्चों के साथ धरने पर जाऊंगा।

परसाखेड़ा गौटिया जाने के लिए ग्रामीणों को ईंट के भट्टे वाले रास्ते से गुजरना पड़ता है। भट्टा मालिक रास्ता बंद कर दें तो ग्रामीणों के पास कोई विकल्प नहीं होता है। दूसरी ओर रास्ता बेहद खराब होने की वजह से लोग आते जाते नहीं है। गांव के नवल किशोर ने बताया कि हरीश चंद्र का मकान ऐसी जगह है जहां पैदल पहुंचा भी मुश्किल है।

केंद्र सरकार के फैसले के बाद यूपी की चीनी मिलों को बड़ी राहत

लखनऊः गन्ने के रस से एथानाल बनाने पर लगाई गई पाबंदी में बदलाव के केंद्र सरकार के फैसले से यूपी की चीनी मिलों को भी राहत मिली है। अब चीनी मिलें अपने कुल चीनी स्टॉक में से 17 लाख टन चीनी सीधे गन्ने के रस से बना सकेंगी। केन्द्र सरकार ने अपने एक हफ्ते पुराने फैसले को पलटते हुए पेराई सत्र 2023-24 में चीनी मिलों को एथेनॉल बनाने के लिए गन्ने के रस और बी. हैवी शीरा दोनों के इस्तेमाल की मंजूरी दे दी है। हालांकि इसके लिए चीनी की अधिकतम सीमा 17 लाख तय की गई है। इससे गन्ना किसानों को भी बड़ा फायदा होगा।

प्रदेश की जिन 12 निजी चीनी मिलों में गन्ने के रस से एथानॉल बनता रहा है वह हैं-लखीमपुर खीरी की ऐरा, बहराइच की पारले बिस्कुल, बलरामपुर, गोण्डा की मेजापुर, बिजनौर की धामपुर, सम्भल की असमौली, लखीमपुर खीरी की अजबपुर, सीतापुर की हरगाँव, बिजनौर की स्यौहारा, सीतापुर की जवाहरपुर, शाहजहांपुर की निगोही, सीतापुर की रामगढ़, बिजनौर की बुंदकी और बरेली की फरीदपुर।प्रदेश के निजी चीनी मिलों के संगठन यूपी शुगर मिल्स एसोसिएशन (यूपी इस्मा) के महासचिव दीपक गुप्तारा ने कहा कि हम लोग केन्द्र सरकार के ताजा फैसले की समीक्षा कर रहे हैं। चीनी मिलों को चीनी बनाने से ज्यादा फायदा एथानॉल के उत्पादन में रहता है और एथानॉल की बिक्री से होने वाली आय से ही उन्हें किसानों को उनके गन्ना मूल्य की अदायगी में सहूलियत रहती है। अब चीनी मिलें अपने कुल चीनी स्टॉक में से 17 लाख टन चीनी सीधे गन्ने के रस से बना सकेंगी। केन्द्र सरकार ने अपने एक हफ्ते पुराने फैसले को पलटते हुए पेराई सत्र 2023-24 में चीनी मिलों को एथेनॉल बनाने के लिए गन्ने के रस और बी. हैवी शीरा दोनों के इस्तेमाल की मंजूरी दे दी है। हालांकि इसके लिए चीनी की अधिकतम सीमा 17 लाख तय की गई है।

22 साल के लड़के ने तीन गुना उम्र की महिला से किया रेप, विरोध पर पीटा

गोरखपुर, यूपी के गोरखपुर में 22 साल के एक लड़के ने अपने से तीन गुना उम्र की महिला के साथ रेप कर दिया। चीखें सुनकर पहुंचे लोगों ने लड़के को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। वहीं इस हैवानियत की शिकार हुई महिला को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

यह शर्मनाक वारदात गोरखपुर के सहजनवां क्षेत्र के एक गांव में हुई है। मिली जानकारी के अनुसार शनिवार की भोर में नित्यकर्म के लिए खेत की तरफ गई 65 वर्षीय महिला को गांव के एक युवक ने पकड़ लिया और उनके साथ रेप किया। महिला की चीख-पुकार सुनकर पहुंचे ग्रामीणों ने आरोपी युवक को पकड़ कर पिटाई के बाद पुलिस को सौंप दिया। उधर, गिरने से घायल हुई महिला का जिला अस्पताल में उपचार चल रहा है। पुलिस ने आरोपित युवक के खिलाफ दुष्कर्म का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस के मुताबिक सहजनवा क्षेत्र की रहने वाली 65 वर्षीय बुजुर्ग महिला नित्यकर्म के लिए बगल के खेत की तरफ चली गई थीं। आरोप है कि उसी दौरान गांव का 22 वर्षीय युवक उनके साथ जोर-जबरदस्ती करने लगा।

महिला के विरोध करने पर उसने उन्हें जमीन पर गिरा दिया और मुंह दबाकर दुष्कर्म करने लगा। इस दौरान महिला लगातार चीखने-चिल्लाने और शोर मचाने की कोशिश करती रहीं। किसी तरह से छूटने के बाद महिला ने जोर से शोर मचाया। शोर सुनकर ग्रामीण दौड़े और आरोपी को पकड़ लिया। ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। गांव पहुंची पुलिस ने युवक को हिरासत में ले लिया और अपने साथ थाने ले गई। घायल हुई महिला को पुलिस ने सहजनवा के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र (सीएचसी) पर पहुंचाया।

यूपी को लेकर आई ताजा रिपोर्ट ने सीएम के चेहरे पर लाई खुशी

लखनऊ, उत्तर प्रदेश को देश की नंबर एक अर्थव्यवस्था बनाने को लेकर जुटी यूपी सरकार को बड़ी उपलब्धि मिली है। यूपी को लेकर आई एक ताजा रिपोर्ट ने सीएम योगी और प्रदेशवासियों के चेहरे पर खुशी ला दी है। दरअसल इन्वेस्टिंग और स्टॉक मार्केट पर नजर रखने वाले प्रमुख ऑनलाइन ब्लॉगिंग प्लेटफार्म **soic.in** ने सेंसस और सीएलएसए (क्रेडिट लियोनिस सिक्योरिटीज एशिया) पर आधारित एक क्रिएटिव ग्राफिक में बताया है कि देश की जीडीपी में शेयर के मामले में उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र के बाद दूसरे स्थान पर आ गया है। सरकारी आंकड़ों में उत्तर प्रदेश जीडीपी शेयर के मामले में तीसरे पायदान पर था। यह योगी सरकार की एक और बड़ी उपलब्धि है। निश्चित तौर पर इसके बाद सीएम योगी का अगला लक्ष्य नंबर वन जीडीपी शेयर वाला राज्य बनने का होगा।

अब **नंबर** वन पर नजरः सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर शेयर किए गए इस क्रिएटिव में उत्तर प्रदेश को जीडीपी शेयर के मामले में दूसरे स्थान पर दिखाया गया है। इसके अनुसार जहां देश की कुल जीडीपी में महाराष्ट्र 15.7 फीसदी जीडीपी शेयर के साथ पहले पायदान पर है तो वहीं उत्तर प्रदेश 9.2 फीसदी जीडीपी शेयर के साथ दूसरे स्थान पर है। उत्तर प्रदेश ने जीडीपी शेयर के मामले में तमिलनाडु (9.1%), गुजरात (8.2%) और पश्चिम बंगाल (7.5%) जैसे राज्यों पर बढ़त बनाई है। कर्नाटक (6.2%), राजस्थान (5.5%), आंध्र प्रदेश (4.9%) और मध्य प्रदेश (4.6%) जैसे राज्य उत्तर प्रदेश से काफी पीछे हैं। सात वर्षों में सीएम योगी ने बदली प्रदेश की तस्वीरमुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश ने बीते सात वर्ष में हर क्षेत्र में तेजी से प्रगति की है। प्रदेश में संगठित अपराध अब जीरो हो चुके हैं तो वहीं प्रदेश उद्योग के क्षेत्र में तेजी से आगे बढ़ रहा है। उत्तर प्रदेश ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में 14वें स्थान से दूसरे स्थान पर आ चुका है। लॉ एंड ऑर्डर, कनेक्टिविटी, इन्फ्रास्ट्रक्चर में हुए सुधार के कारण ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के माध्यम से प्रदेश को 40 लाख करोड़ से ज्यादा के निवेश प्रस्ताव मिले हैं जो जल्द ही धरातल पर उतरने जा रहे हैं। इससे प्रदेश में लाखों रोजगार के अवसर सृजित होंगे। वर्तमान में प्रदेश लगभग दो लाख करोड़ रुपये का निर्यात कर रहा है।

बैंकों का ऋण-जमा अनुपात 42-43 प्रतिशत से बढ़कर 56 प्रतिशत हो चुका है, इसे 60 प्रतिशत तक ले जाने की दिशा में कार्य किया जा रहा है। आज यूपी रिवेन्यू सरप्लस राज्य है। प्रदेश की 56 प्रतिशत आबादी कामकाजी है। 96 लाख एमएसएमई इकाइयां स्थापित हुई हैं। सीएम योगी ने कभी बीमारूमाने जाने वाले उत्तर प्रदेश को विकास की दौड़ में अग्रणी स्थान पर ला खड़ा किया है। ये उपलब्धि सीएम योगी के उत्तर प्रदेश को देश का ग्रोथ इंजन बनाने के साथ ही 2027 तक प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन इकोनॉमी का लक्ष्य हासिल करने में मददगार होगी।

पेंशनर्स दिवस पर मनाया गया वार्षिक अधिवेशन

बरेलीः एनई रेलवे पेंशनर्स वेलफेयर सोसाइटी की ओर से रविवार को पेंशनर्स डे पर वार्षिक अधिवेशन हुआ। बरेली सिटी लोको लॉवी में कार्यक्रम हुआ। जिसमें पेंशनर्स को सम्मानित के लिया गया। वहीं एकजुटा का आवाहन किया गया।

सोसाइटी को ताकत देने के लिए सदस्यों को जोड़ने के लिए कमेटी के पदाधिकारियों ने डोर टू डोर अभियान चलाने का भी निर्णय लिया गया। इस दौरान कमेटी के नामित नये पदाधिकारियों की भी घोषणा की गई। अध्यक्ष आरके सिंह और महामंत्री मुकेश सक्सेना ने सभी का आभार व्यक्त किया।

पहाड़ों पर बर्फबारी से मैदानी इलाकों में गिरा पारा

नई दिल्ली: पहाड़ों पर लगातार हो रही बर्फबारी का असर मैदानी इलाकों में भी देखने को मिल रहा है. दिल्ली समेत पूरे उत्तर भारत के मैदानी इलाकों में कड़ाके ठंड पड़ने लगी है. राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में सुबह के समय कोहरा छाने लगा है और लोग ठंड से कांपने लगे हैं. वहीं दक्षिण के राज्यों में बारिश का दौर अब भी जारी है. इसी बीच मौसम विभाग ने एक बार फिर से तमिलनाडु और केरल में अगले 24 घंटों के दौरान बारिश की संभावना जताई है. इसके साथ ही लद्दाख, हिमाचल प्रदेश और मुजफ्फराबाद में भी हल्की बारिश की भविष्यवाणी की है. वहीं हिमाचल प्रदेश के कई इलाकों में आज (रविवार) भी बर्फबारी का अनुमान है.

दिल्ली में लगातार गिर रहा पारा: पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी से राजधानी दिल्ली में पारा लगातार गिर रहा है. मौसम विभाग के मुताबिक, आज (रविवार) को न्यूनतम तापमान 7 डिग्री और अधिकतम तापमान 25 डिग्री तक रहने का अनुमान है. आईएमडी के मुताबिक, 21 दिसंबर तक न्यूनतम तापमान में और गिरावट आएगी और ये गिरकर 5 डिग्री सेल्सियत तक रह जाएगा. जबकि अधिकतम तापमान गिरकर 23 डिग्री सेल्सियस रहने का अनुमान है. इसी के साथ आने वाले दिनों में राजधानी और उसके आसपास के इलाकों में सुबह के समय कोहरा छाने लगेगा.

वहीं दिल्ली की हवा की बात करें तो यहां की हवा अब भी 'बेहद खराब' श्रेणी में बनी हुई है. बीते दिन यानी शनिवार को दिल्ली का औसत एक्यूआई 285 रहा जो बेहद खराब श्रेणी में था. बता दें कि हवा की गुणवत्ता (अदक) शून्य से 50 के बीच अच्छी, 51 और 100 के बीच एक्यूआई को 'संतोषजनक', 101 और 200 के बीच 'मध्यम', 201 और 300 के बीच 'खराब', 301 और 400 के बीच 'बेहद खराब' तथा 401 और 500 के बीच 'गंभीर' श्रेणी में रखा गया है.

आज इन राज्यों में बारिश का अनुमान: मौसम विभाग की मानें तो बीते 24 घंटों के दौरान पंजाब, हरियाणा–चंडीगढ़, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में न्यूनतम तापमान 4–8 डिग्री सेल्सियस और उत्तरी राजस्थान के कई हिस्सों में 8 से 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है. उधर दक्षिण भारतीय राज्यों में अब भी बारिश का दौर जारी है. इसी बीच मौसम विभाग ने तमिलनाडु में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य में 17 दिसंबर (रविवार) को कई इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है. इसके साथ ही हिमाचल प्रदेश, लद्दाख और मुजफ्फराबाद में भी रविवार को हल्की बारिश होने की संभावना है.

> मौसम विभाग की मानें तो बीते 24 घंटों के दौरान पंजाब, हरियाणा–चंडीगढ़, दिल्ली और उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में न्यूनतम तापमान 4–8 डिग्री सेल्सियस और उत्तरी राजस्थान के कई हिस्सों में 8 से 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया है. उधर दक्षिण भारतीय राज्यों में अब भी बारिश का दौर जारी है. इसी बीच मौसम विभाग ने तमिलनाडु में बारिश का ऑरेंज अलर्ट जारी किया है. मौसम विभाग के मुताबिक, राज्य में 17 दिसंबर (रविवार) को कई इलाकों में भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है.

संक्षेप खबरें

तेलंगाना में मानव–पशु संघर्ष में मृत्यु पर अनुग्रह राशि दोगुनी हुई

हैदराबाद: तेलंगाना सरकार ने मानव–पशु संघर्ष में किसी व्यक्ति की मृत्यु पर मुआवजा राशि दोगुना कर 10 लाख रुपये कर दिया है।मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, जिन परिवारों के सदस्य मानव–पशु संघर्ष के शिकार होते हैं, उनके लिए अनुग्रह राशि 5 लाख रुपये से बढ़ाकर 10 लाख रुपये कर दी गई है।राज्य की पर्यावरण एवं वन मंत्री कोंडा सुरेखा ने मंत्री के रूप में कार्यभार संभालने के बाद इस संबंध में एक आदेश पर हस्ताक्षर किए। इससे संबंधित विवरण, निर्देश और नियम जल्द ही जारी किए जाने हैं।

मंत्री ने अन्य राज्यों से विभिन्न त्योहारों और आयोजनों के लिए तेलंगाना में हाथियों को लाने से संबंधित एक फाइल पर भी हस्ताक्षर किए। मंत्री ने बीआर अंबेडकर तेलंगाना राज्य सचिवालय में अपने कक्ष में अपने परिवार, विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों की मौजूदगी में कार्यभार संभाला।सुरेखा ने मंत्री नियुक्त होने पर खुशी व्यक्त की और कहा कि वह वन विभाग की सभी विकास गतिविधियों में 100 प्रतिशत सहयोग प्रदान करेंगी।बीसी कल्याण और परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, कई विधायक, मंत्री के निर्वाचन क्षेत्र के विभिन्न नेता, अतिरिक्त मुख्य सचिव, ईएफएसएंडटी, पीसीसीएफ (एचओएफएफ) आरएम डोबरियाल और अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जीतू पटवारी दिल्ली पहुंचे, राहुल गांधी व दिग्विजय से मिले

भोपाल: कांग्रेस की मध्य प्रदेश इकाई के नवनियुक?त अध्यक्ष जीतू पटवारी ने रविवार को दिल्ली में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता राहुल गांधी से मुलाकात की। कांग्रेस ने पटवारी को शनिवार को पार्टी की प्रदेश इकाई का अध्यक्ष नियुक्त किया था। पटवारी रविवार को दिल्ली पहुंचे और उन्होंने राहुल गांधी से मुलाकात कर आभार जताया साथ ही पार्टी संगठन को लेकर चर्चा भी की। इसके अलावा पटवारी ने राज्यसभा सदस्य दिग्विजय सिंह से भी मुलाकात कपटवारी ने राहुल से कहा, आपके मार्गदर्शन और सभी के साझा प्रयासों से मध्यप्रदेश में निश्चित ही कांग्रेस पार्टी को मजबूती मिलेगी।पटवारी 19 दिसंबर को भोपाल स्थित कांग्रेस कार्यालय पहुंचकर पदभार संभालेंगे।पार्टी कार्यालय से दी गई जानकारी के अनुसार, पटवारी इंदौर से कार के जरिए उज्जैन जाएंगे और वहां भगवान महाकाल के दर्शन एवं पूजा–अर्चन कर महाकाल का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। वहां से देवास पहुंचेंगे, जहां पार्टी के कार्यकर्ता उनका स्वागत करेंगे।

हाईजैक माल्टा के जहाज को बचाने सागर के बीच पहुंची भारतीय नौसेना

नई दिल्ली : भारतीय नौसेना के जांबाज सिकंदर समुद्री लुटेरों का सामना कर रहे हैं... सोमालिया के समुद्री हिस्से में उठती ऊंची लहरों के बीच वे अपने इस सहासी कारनामे को अंजाम दे रहे हैं. दरअसल ये पूरा मामला माल्टा के एक समुद्री जहाज टश रुएन से जुड़ा है, जो 18 लोगों के साथ कोरिया से तुर्की जाने के लिए निकला था. मगर सफर के बीच सोमालिया के करीब कई समुद्री लुटेरों ने उस पर हमला कर दिया, नतीजतन उसे पूरी तरह हाईजैक कर लिया गया. इसी बीच गुरुवार देर शाम जब इसकी इत्तला भारतीय नौसेना तक पहुंची, तो फौरन एक खतरनाक रेस्क्यू ऑपरेशन का आगाज किया गया...

दरअसल बीते गुरुवार को मिली माल्टा के समुद्री जहाज टश रुएन की हाईजैक की खबर के बाद, भारतीय नौसेना ने ठीक अगली सुबह शुक्रवार तड़के आननफानन में घटना क्षेत्र में अपनी सहायता भेजने का फैसला किया, जिसके बाद घटनास्थल पर नेवी का एक युद्धपोत और समुद्री गश्ती विमान ट को रवाना किया. तारीख 15 दिसंबर 2023 ठीक सुबह के वक्त, विमान ट ने हाईजैक हुए माल्टा के जहाज टश रुएन के ऊपर से उड़ान भरी. इस दौरान उसने घटना से जुड़े कई बारीक पहलुओं पर गौर किया, जैसे हाईजैक हुए जहाज की एक्यूरेट लोकेशन, टाइमिंग और उसकी स्थिति भी. मालूम चला कि, ये जहाज फिलहाल धीरे–धीरे सोमालिया के तट की ओर बढ़ रहा है. इसके साथ ही, इसकी हर हरकत पर नजर बनाए रखने के लिए भारतीय नौसेना ने एक विमान तैनात कर दिया.

माल्टा के समुद्री जहाज हाईजैक के इस पूरे मामले में इंडियन नेवी ने प्रतिक्रिया देते हुए घटना की पुष्टि की है. साथ ही बताया है कि, माल्टा के जहाज टश रुएन के हाईजैक होने के बाद इसकी अलर्ट, उस क्षेत्र में निगरानी कर रहे नौसेना के समुद्री गश्ती विमान और अदान की खाड़ी में एंटी पायरेसी पेट्रोल को मिला था, जिसपर फौरन हरकत में आते हुए मौके पर सहायता भेजने का बंदोबस्त किया गया.

इंडियन नेवी ने बताया कि, फिलहाल भारतीय नौसेना ने अपने नौसैनिक समुद्री गश्ती विमान को क्षेत्र में निगरानी करने के लिए तैनात किया है. साथ ही अपने युद्धपोत को माल्टा के जाहज टश रुएन का पता लगाने और सहायता करने के लिए अदन की खाड़ी में एंटी पायरेसी पैट्रोल पर रवाना कर दिया है.

प्रिया सिंह ने पुलिस की कार्यशैली पर खड़े किए सवाल, अभी तक अश्वजीत से नहीं हुई पूछताछ

नई दिल्ली: ठाणे में आईएएस के बेटे और बीजेपी युवा मोर्चा का जिला अध्यक्ष अश्वजीत गायकवाड़ पर इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर प्रेमिका प्रिया सिंह को कार से कुचलने का मामला जोर पकड़ता जा रहा है. प्रिया सिंह अस्पताल में भर्ती है. उसके बाए पैर में फ्रैक्चर है. वहीं, आरोपी अब भी पुलिस गिरफ्त से बाहर है. प्रिया सिंह ने पुलिस की कार्यशैली पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं. प्रिया सिंह ने पुलिस पर नया आरोप लगाया कि शनिवार की रात कुछ पुलिसकर्मी उनके पास आए. वो एक कागज पर साइन करने के लिए दबाव बनाने की कोशिश कर रहे थे. लेकिन मैंने साइन करने से मना कर दिया. उसपर वो नाराज हो गए. प्रिया सिंह ने आरोप लगाया कि वो मुझ पर दबाव बना रहे थे. कह रहे थे कि जो होगा कल देख लेना लेकिन अभी साइन कर दो. जब मैंने साइन नहीं किए तो वो नाराज हो गए और चले गए. प्रिया ने कहा, मुझे प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री पर बहुत भरोसा है. मुझे बस न्याय चाहिए.

पुलिस मामले की जांच में जुटी वहीं, ठाणे के सीपी जय जीत सिंह ने कहा कि मामले में एसआईटी का गठन किया गया. जांच चल रही है. मामले में अश्वजीत अनिल गायकवाड़ और अन्य को आरोपी बनाया गया है. अश्वजीत से अभी पूछताछ करनी है. कार भी गायब है. उन्होंने कहा कि जांच चल रही है जो तथ्य सामने आएंगे, उनके आधार पर आरोपियों के खिलाफ अन्य धाराएं भी जोड़ी जाएंगी.

कौन है प्रिया सिंह: बता दें गौरतलब है कि 11 दिसंबर को प्रिया सिंह और अश्वजीत के बीच बहस हो गई थी. इसके बाद अश्वजीत और उसके दोस्तों ने प्रिया सिंह की पिटाई कर दी. और उसे कार से रौंदने की कोशिश. गंभीर हालत में प्रिया सिंह को अस्पताल में भर्ती कराया गया. प्रिया सिंह के पैर में फ्रैक्चर है और शरीर में कई जगहों पर चोट के निशान हैं. फिलहाल प्रिया का इलाज जारी है. बता दें कि मुंबई में रहने वाली 26 साल की प्रिया सिंह इंस्टाग्राम इन्फ्लुएंसर हैं. उनके लाखों की संख्या में फॉलोअर हैं. प्रिया सिंह महाराष्ट्र के एमएसआरडीसी के एमडी के बेटे अश्वजीत गायकवाड़ के साथ साढ़े चार से रिलेशनशिप में थी. प्रिया का आरोप है कि अश्वजीत पहले से शादीशुदा था, उसने ये बात मुझसे छिपाई थी. जब उसने इस बारे में उससे जानने की कोशिश की तो उसके साथ मारपीट और मारने की कोशिश की गई.

तीन राजधानियों के खिलाफ अमरावती के किसानों के विरोध–प्रदर्शन के चार साल पूरे

अमरावती: जगन मोहन रेड्डी के नेतृत्व वाली सरकार के तीन राजधानियाँ बनाने के फैसले के खिलाफ अमरावती के किसानों और महिलाओं के विरोध–प्रदर्शन को रविवार को चार साल पूरे हो गए।

प्रदर्शनकारी, जो अमरावती को राज्य की एकमात्र राजधानी बनाए रखने की मांग कर रहे हैं, उन्होंने अपना झंडा फहराया और इस अवसर को चिह्नित करने के लिए सर्व–धर्म प्रार्थना सभा में भाग लिया।अमरावती राजधानी क्षेत्र के सभी 29 गांवों में विरोध शिविरों में बड़ी संख्या में किसान और महिलाएं एकत्र हुईं। हाथों में तख्तियां लिए प्रदर्शनकारियों ने अपनी मांग के समर्थन में नारे लगाए।

प्रदर्शनकारियों ने आंदोलन के दौरान मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि दी। आयोजकों का कहना है कि राज्य की राजधानी को तीन भागों में बांटने के सरकार के फैसले के कारण 200 किसानों की मौत हो गई थी।मुख्यमंत्री वाई.एस. जगन मोहन रेड्डी ने राज्य विधानसभा में घोषणा की थी कि अमरावती को राज्य की राजधानी के रूप में विकसित करने के पिछली टीडीपी सरकार के फैसले को उलटते हुए तीन राज्य राजधानियों का विकास किया जाएगा।वाईएसआरसीपी सरकार ने विशाखापत्तनम को प्रशासनिक राजधानी, कुरनूल को न्यायिक राजधानी और अमरावती को विधायी राजधानी बनाने का प्रस्ताव रखा।इसके खिलाफ अमरावती के किसानों ने बड़े पैमाने पर विरोध–प्रदर्शन शुरू कर दिया, जिन्होंने राजधानी के लिए 33 हजार एकड़ जमीन दी थी और पिछली सरकार ने मेगा परियोजना के कुछ घटकों पर काम भी किया था।गांवों में रविवार को विरोध प्रदर्शन का 1,461वां दिन था.

प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट कर दिया कि जब तक सरकार अपनी योजना रद्द नहीं कर देती तब तक वे आंदोलन जारी रखेंगे।उन्होंने पिछले चार वर्षों में किसानों और उनके परिवारों को हुई सभी कठिनाइयों के लिए वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) सरकार को दोषी ठहराया। तीन राजधानियों के खिलाफ आंदोलन का नेतृत्व कर रही अमरावती परिरक्षण समिति (एपीएस) ने अपनी मांग के पक्ष में जनता का समर्थन जुटाने के लिए पिछले दो वर्षों के दौरान दो पदयात्राएं कीं।किसानों ने 2021 में अमरावती से तिरुपति तक 45 दिन की लंबी पदयात्रा की।

प्रेमी युगल की पिटाई के आरोप में दो नाबालिग सहित चार लोग गिरफ्तार

बिजनौर: उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के थाना नजीबाबाद इलाके में एक नाबालिग प्रेमी जोड़े को गन्ने के खेत के पास बैठा देखकर कुछ युवकों ने उनकी पिटाई कर दी। इस घटना के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। पुलिस ने इस सिलसिले में दो नाबालिग समेत चार लोगों हिरासत में ले लिया। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी।

आरोपी की पहचान बिजनौर जिले के नजीबाबाद क्षेत्र के फजलपुर खास गांव निवासी शुऐब और शाहबेज के रूप में की गई है। जबकि दो नाबालिग को गिरफ्तार किया गया है, जिनकी पहचान पुलिस ने सार्वजनिक नहीं की है।घटना शनिवार की है, जबकि घटना के कई वीडियो रविवार को सोशल मीडिया पर वायरल हो गए। पुलिस ने कहा कि नाबालिग लड़की और उसके साथी लड़के के साथ कथित तौर पर मारपीट और प्रताड़ित करने के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे। घटना संज्ञान में आने बाद तत्काल मामला दर्ज कर दो नाबालिग सहित चार आरोपियों को गिरफ्तार किया गया है।

आरोप है कि नजीबाबाद इलाके गांव फजलपुर खास गांव के बाहरी इलाके में शुऐब और शाहबेज और उसके अन्य साथियों ने नाबालिग लड़की और साथी लड़के की पिटाई शुरू कर दी और दोनों से उठक–बैठक भी लगवाई।

दिल्ली में नाबालिग लड़की का अपहरण कर वेश्यावृत्ति में धकेला

नई दिल्ली: दिल्ली पुलिस के एक अधिकारी ने कहा कि दिल्ली में 14 वर्षीय एक नाबालिग लड़की का अपहरण कर उसके साथ बलात्कार किया गया। फिर उसे वेश्यावृत्ति में धकेल दिया गया। पुलिस ने इस सिलसिले में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है।

मामला तब सामने आया जब पुलिस को सूचना मिली कि उत्तरी दिल्ली के सदर बाजार इलाके में एक महिला वेश्यावृत्ति का अड्डा चला रही है।उत्तरी दिल्ली के पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) मनोज कुमार मीणा ने कहा कि पुलिस टीम ने शनिवार को परिसर में छापा मारा और बिहार के अररिया जिले की रहने वाली नाबालिग को कटरा आत्मा राम (सदर बाजार) के एक घर में बंद पाया गया।ऑपरेशन से पता चला कि उसे कैद में रखने का मकसद वेश्यावृत्ति था। कथित तौर पर उसका अपहरण कर लिया गया था और जबरन यहां रखा गया था।डीसीपी ने कहा, अररिया जिले के रहने वाले इरशाद (30), संजारी (36) और हसीबुल (45) नाम के आरोपियों ने पीड़िता का अपहरण किया। उसे बंधक बनाया और महीनोंतक वेश्यावृत्ति के लिए मजबूर किया।पुलिस जांच के अनुसार, इरशाद ने वेश्यावृत्ति के लिए लड़की का अपहरण किया था और उसे उसकी इच्छा के विरुद्ध कुछ महीनों तक बताए गए पते पर रखा था। हसीबुल की पत्नी संजारी ने लड़की को बंधक बनाने और व्यक्तियों को यौन गतिविधियों में शामिल होने की सुविधा प्रदान करने में भूमिका निभाई।हसीबुल ने लड़की को कैद करने और यौन गतिविधियों के लिए व्यक्तियों को लाने में भूमिका निभाई। डीसीपी ने कहा कि रविवार को सदर बाजार पुलिस स्टेशन में आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 363, 368 ए, 370, 370 ए, 376, 34 और पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।शुरुआती जांच से पता चला है कि पीड़िता को पहले किसी अन्य घर में कैद किया गया होगा और पुलिस की नजर से बचने के लिए उसे स्थानांतरित किया जा रहा था। डीसीपी ने कहा, वह अनाथ है और पांच–छह महीने पहले उसके मूल स्थान से उसका अपहरण कर लिया गया था। पीड़िता की काउंसलिंग की जा रही है और आगे की जांच जारी है।

> डीसीपी ने कहा कि रविवार को सदर बाजार पुलिस स्टेशन में आरोपियों के खिलाफ आईपीसी की धारा 363, 368 ए, 370, 370 ए, 376, 34 और पॉक्सो अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।शुरुआती जांच से पता चला है कि पीड़िता को पहले किसी अन्य घर में कैद किया गया होगा और पुलिस की नजर से बचने के लिए उसे स्थानांतरित किया जा रहा था। डीसीपी ने कहा, वह अनाथ है और पांच–छह महीने पहले उसका अपहरण कर लिया गया था।

राजनाथ ने की सेना में परंपरा और नवीनता के बीच संतुलन बनाने की वकालत

हैदराबाद: रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को सशस्त्र बलों में परंपरा और नवीनता के बीच संतुलन बनाने का आह्वान किया।उन्होंने कहा कि परंपरा का पालन करते हुए सशस्त्र बलों को नवाचार को भी समान महत्व देना चाहिए जो उन्हें बदलते समय के अनुरूप तैयार करता है।

वह हैदराबाद के बाहरी इलाके डंडीगल में वायु सेना अकादमी में संयुक्त स्नातक परेड को संबोधित कर रहे थे।प्रशिक्षण पूरा करने वाले कुल 213 फ्लाइट कैडेटों (25 महिलाओं सहित) को भारतीय वायु सेना की विभिन्न शाखाओं में नियुक्त किया गया है।उन्होंने युवा अधिकारियों से नये विचारों, नवीन सोच और आदर्शवाद के प्रति अपना खुलापन कभी नहीं खोने का आह्वान किया।सिंह ने अधिकारियों को सलाह दी कि वे न केवल परंपरा को उचित महत्व दें क्योंकि वे समय की कसौटी पर कसे जा चुके हैं, बल्कि नवाचार पर भी ध्यान केंद्रित करें।

उन्होंने कहा, अगर परंपरा का पालन बिना सोचे–समझे लंबे समय तक किया जाता है, तो इससे व्यवस्था में विकृति आ जाती है। इस स्थिति से बचने के लिए लगातार बदलते समय के साथ तालमेल बिठाने के लिए कुछ नया करने की जरूरत है।उन्होंने कहा, अगर हम केवल परंपरा का पालन करेंगे तो हम एक मृत झील की तरह होंगे। हमें एक बहती हुई नदी की तरह बनना होगा। इसके लिए हमें परंपरा के साथ–साथ नवीनता भी लानी होगी।रक्षा मंत्री ने अधिकारियों से यह भी कहा कि वे उड़ते रहें और ऊंचाइयों को छूते रहें, लेकिन जमीन से अपना जुड़ाव बनाए रखें।उन्होंने नए कमीशन प्राप्त अधिकारियों को बधाई दी और उनके बेदाग प्रदर्शन, सटीक ड्रिल मूवमेंट और परेड के उच्च मानकों के लिए उनकी सराहना की।

उन्होंने उनसे किसी भी परिस्थिति में नए विचारों, नवीन सोच और आदर्शवाद के प्रति अपना खुलापन नहीं खोने का आग्रह किया।उन्होंने पासिंग आउट परेड को युवा अधिकारियों के जीवन का एक महत्वपूर्ण दिन बताया क्योंकि वे कैडेट से अधिकारी बनते हैं। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षण में वे परीक्षा से पहले प्रशिक्षक से सीख रहे थे। उसके विपरीत अब वास्तविक जीवन में उन्हें पहले परीक्षा का सामना करना होगा और अपनी गलतियों से सीखना होगा। उन्होंने कहा, खुला आसमान और जीवन आज से आपके प्रशिक्षक हैं।कमीशनिंग समारोह के दौरान, फ्लाइट कैडेटों को रक्षा मंत्री द्वारा उनकी स्ट्राइप्स से सम्मानित किया गया। इसके बाद अकादमी के कमांडेंट द्वारा स्नातक अधिकारियों को शपथ दिलाई गई।

ओडिशा में जंगली हाथी ने दो लोगों को कुचलकर मार डाला

भुवनेश्वर: ओडिशा के बारगढ़ जिले में रविवार को एक जंगली हाथी ने दो लोगों को कुचलकर मार डाला।मृतकों की पहचान गैसलेट क्षेत्र के कथौमल गांव के सिबलाल सुना और देशभातली क्षेत्र के बलराम साहू के रूप में की गई है।

55 वर्षीय दिहाड़ी मजदूर सिबलाल जिले के झारपाली इलाके में एक नहर निर्माण कार्य में मजदूर के रूप में काम करता था। वह शौच के लिए गया था, जहां उसे हाथी मिल गया। हाथी ने सिबलाल पर हमला कर दिया और उसे कुचलकर मार डाला।<

एक अन्य घटना में, 25 वर्षीय बलराम धान की फसल काट रहा था। वह घने कोहरे के कारण हाथी को नहीं देख सका। तभी उसी हाथी ने उसके गांव के पास उस पर हमला कर दिया। इस हमले में बलराम की मौत हो गई।वन अधिकारियों ने बताया कि जंगली हाथी भटककर महानदी पार कर क्षेत्र में आ गया।

आवश्कता, नाम परिवर्तन, खोया–पाया, सार्वजनिक सूचना विज्ञापन कम दरों में

सब का सपना क्लासीफाइड के साथ लाखों तक पहुँचाइये अपनी बात

अपना विज्ञापन बुक करवाने के लिये संपर्क करें –94568843327

भयानक ब्लास्टः मां.. बेटी.. यूं एक ब्लास्ट ने बर्बाद किए नौ परिवार!

नई दिल्ली : महाराष्ट्र के नागपुर में रविवार को एक फैक्ट्री में हुए विस्फोट में करीब नौ लोगों की मौत हो गई, जबकि कई लोगों के बुरी तरह गंभीर रूप से घायल होने की खबर है. मिली जानकारी के अनुसार, धमाका आज सुबह करीब 9.30 बजे बजरगांव इलाके में स्थित सोलर इंडस्ट्रीज इंडिया लिमिटेड में हुआ. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस की एक टीम घटनास्थल पर पहुंची. बताया जा रहा है कि फैक्ट्री ने ये हादसा कोयला ब्लास्टिंग के लिए विस्फोटक पैक करते समय पेश आया. गौरतलब है कि, फैक्ट्री देश के रक्षा विभाग के लिए विस्फोटक और अन्य रक्षा उपकरणों की आपूर्ति का काम करती है.

बता दें कि इस भयानक ब्लास्ट में हुई 9 लोगों की मौत के बाद इलाके में स्थिति तनावपूर्ण बनी हुई है. फैक्ट्री में काम करने वाले श्रमिकों के रिश्तेदारों और स्थानीय लोग काफी गुस्से में नजर आ रहे हैं. करीब 200 लोगों ने कारखाने के एंट्री गेट को घेर लिया. वे प्रदर्शन कर शवों को देखने के लिए फैक्ट्री परिसर में प्रवेश की मांग कर रहे हैं. वहीं दूसरी ओर फैक्ट्री के प्रवेश द्वार पर कई एम्बुलेंस तैनात की गई थीं.

मां.. बेटी.. की मौत

गौरतलब कि, फैक्ट्री में हुए विस्फोट में मारे गए लोगों में 22 साल की आरती भी शामिल थी, जो अपनी परिवार की एकमात्र कमाने वाली सदस्य थीं. उनके पिता नीलकंठराव सहारे लकवाग्रस्त हैं, लिहाजा लंगड़ाकर फैक्ट्री के गेट के बाहर आगे–पीछे घूम कर अपनी बेटी के बारे में जानने की कोशिश कर रहे हैं.

वहीं इस घटना में दो बच्चों की मां, 32 साल की रुमिता उइके की भी मौत हो गई. उनका पति खेत मजदूर के तौर पर काम करता है, जबकि हादसे के खबर मिलने के बाद उनके पिता देवीदास इरपति अपनी बेटी का पता लगाने की हर संभव कोशिश कर रहे हैं. पुलिस का इस मामले में कहना है कि, जल्द से जल्द आगे की कार्रवाई की जा रही है.

फैक्ट्री में हुए विस्फोट में मारे गए लोगों में 22 साल की आरती भी शामिल थी, जो अपनी परिवार की एकमात्र कमाने वाली सदस्य थीं. उनके पिता नीलकंठराव सहारे लकवाग्रस्त हैं, लिहाजा लंगड़ाकर फैक्ट्री के गेट के बाहर आगे–पीछे घूम कर अपनी बेटी के बारे में जानने की कोशिश कर रहे हैं.

नागपुर में विस्फोटक बनाने वाली कंपनी में विस्फोट, 9 की मौत

नई दिल्लीः नागपुर के बाजारगाव स्थित सोलर इंडस्ट्रीज प्लांट में जोरदार धमाके में अभी तक 9 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि कई लोग घायल हो गए हैं. घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है. घमाके के बाद प्लांट में अफरा तफरी मच गई. घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और राहत बचाव कार्य शुरू कर दिया है. बताया जा रहा है कि बाजारगाव स्थित सोलर इंडस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड कंपनी में सुबह 9 बजे के करीब विस्फोट हुआ. जब हादसा हुआ तब कुछ मजदूर काम कर रहे थे. यह हादसा कोल ब्लास्टिंग के लिए बारूद पैकिंग करते वक्त हुआ है. नागपुर पुलिस की टीम और रेस्क्यू ऑपरेशन टीम बचाव कार्यों में जुटी हुई है.

चुनावी खबरें

कोई भी बेसहारा या जरूरतमंद सड़कों पर ठिठुरता न दिखाई दे

गोरखपुर, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को गोरखनाथ मंदिर में अधिकारियों के साथ शीतकाल में जरूरी नागरिक सुविधाओं की स्थिति और खिचड़ी मेला की तैयारियों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को हिदायत दी कि सर्द रातों में कोई भी खुले आसमान तले न सोने पाए। जो भी सड़क किनारे खुले में सोता मिले, उसे रैन बसेरों में लाया जाए। रैन बसेरों में ठहरने के बेहतरीन इंतजाम होने चाहिए।

मकर सक्रांति पर गोरखनाथ मंदिर में लगने वाले ऐतिहासिक खिचड़ी मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को भी उनकी आवश्यकता के अनुसार रैन बसेरों में व्यवस्थित किया जाए। किसी के पास भोजन की व्यवस्था नहीं है तो उसे भोजन भी उपलब्ध कराया जाए। सीएम योगी ने कहा कि रात में पुलिस पैट्रोलिंग बहुत जरूरी है। पैट्रोलिंग के दौरान यदि कोई व्यक्ति खुले में सोते मिले तो पुलिसकर्मी उसे सम्मानपूर्वक निकटतम रैन बसेरे तक पहुंचा दें। खिचड़ी मेला में आने वाले श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुविधा व सहूलियत प्राथमिकता होनी चाहिए। भीड़ नियंत्रण, सुरक्षा, यातायात प्रबंधन और स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना होगा।

सीएम योगी ने कहा कि कोई भी बेसहारा या जरूरतमंद सड़कों पर ठिठुरता न दिखाई दे। उनके ठहरने की सम्मानजनक व्यवस्था कराई जाए। उन्होंने कहा कि सड़कों पर यदि कोई मानसिक रूप से विक्षिप्त हो तो उसे मानसिक मंदित आश्रय स्थलों पर भेजा जाए। यदि कोई व्यक्ति रात में बार–बार सड़क किनारे पाया जा रहा है तो उसके बारे में गहन जांच भी जरूरी है। जांच में उसकी गतिविधि या संलिप्तता असामाजिक कार्यों में मिले तो प्रभावी कार्रवाई भी की जाए। सर्द मौसम और खिचड़ी मेले के दौरान मुख्यमंत्री ने हर जगह पर पर्याप्त अलाव की व्यवस्था करने के भी निर्देश दिए।

सरकार 12.35 लाख युवाओं को देगी फ्री स्मार्टफोन, जानें कब तक मिलेगा

लखनऊ। युवाओं को सरकार जल्द 12.35 लाख फ्री में स्मार्टफोन देने का प्लान बनाया है। सरकार बीते साल से फ्री में बांट रही है। सरकार का मकसद है कि युवाओं के लिये स्मार्टफोन के माध्यम से पढ़ाई को आसान बनाया जा सकता है।

स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तिकरण योजना के तहत योगी सरकार मार्च तक 12.35 लाख से ज्यादा स्मार्टफोन युवाओं को बांटेगी। यह स्मार्टफोन उन्हें निःशुल्क दिए जा रहे हैं। स्मार्टफोन आपूर्ति करने वाली चार कंपनियों से कहा गया है कि वह 21 फरवरी 2024 तक शेष 1235267 स्मार्टफोन की आपूर्ति कर दें। औद्योगिक विकास विभाग के मुताबिक, चार कंपनियों का चयन किया गया था। इनमें विजन डिस्ट्रीब्यूशन को 364000, सेलकान इम्पैक्स को 329775, एनएफ इंफाटेक 263316 व इन्सर्टेंट प्रोक्योरमेंट को 278176 स्मार्टफोन की आपूर्ति करनी है।

23 दिसंबर तक कुल लक्ष्य का 70 प्रतिशत इनको बांटना है और बाकी के लिए 21 फरवरी तक समय दिया गया है। इन कंपनियों को 9972 रुपये प्रति स्मार्टफोन की दर से भुगतान किया गया है। इसके लिए विभाग को इन कंपनियों को 1173 करोड़ से ज्यादा की रकम की और जरूरत है। यह स्मार्टफोन उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा उच्च शिक्षा संस्थानों में पढ़ रहे 25 लाख युवाओं को दिए जा रहे हैं। इसके लिए 3600 करोड़ रुपये खर्च होने हैं। स्मार्टफोन में हजार से ज्यादा कोर्स व प्रोगाम लोड भी हैं। स्वामी विवेकानंद युवा सशक्तीकरण योजना के तहत सरकार ने युवाओं को निरूशुल्क स्मार्टफोन या टैबलेट उपलब्ध कराने निर्णय लिया था।

सरकार जल्द 12.35 लाख फ्री में स्मार्टफोन देने का प्लान बनाया है। सरकार बीते साल से फ्री में बांट रही है। युवाओं के लिये स्मार्टफोन के माध्यम से पढ़ाई को आसान बनाया जा सकता है।

योगी ने सभी बुजुर्गों को पेंशन देने का किया ऐलान

नई दिल्ली

उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार राज्य के सभी पात्र गरीब बुजुर्गों को पेंशन देने वाली है। सभी जिला समाज कल्याण अधिकारियों को इस बाबत दिशानिर्देश दे दिए गए हैं। ऑनलाइन पोर्टल के लिए लोग इस पेंशन के लिए आवेदन कर सकते हैं।

सरकार का लक्ष्य 56 लाख वृद्धों को योजना का लाभ देना है। वर्तमान में 52.77 लाख योजना के दायरे में वृद्धों को पेंशन दी जा रही है। इस योजना में गरीबी रेखा से नीचे जो वृद्धि जीवनयापन कर रहे हैं, उन्हें सरकार आर्थिक सहायता देगी। शासन ने विभागीय अधिकारियों को विकासखंड और ग्राम पंचायत स्तर के माध्यम से वृद्धों को चिन्हित करने का निर्देश दिया है। तय लक्ष्य से ज्यादा पात्र गरीब वृद्ध अगर मिलते हैं तो उन्हें भी इस योजना का लाभ मिलेगा।

योगी सरकार राज्य में लगातार विकास की दिशा में काम करने में जुटी हुई है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने बीते दिनों राज्य में निर्माणाधीन कार्यों की समीक्षा की थी। इस समीक्षा के बाद सीएम योगी ने सख्त निर्देश जारी किए हैं। सीएम योगी ने निर्देश जारी करते हुए कहा कि राज्य चल में चल रही निर्माणाधीन परियोजनाएं अगर तय समय पर पूरी नहीं हुईं तो इसपर पेनाल्टी का भुगतान करना होगा। अगर पेनाल्टी तीन बार से अधिक लगी तो ठेका लेने वाली फर्म को ब्लैक लिस्ट कर दिया जाएगा।सीएम योगी ने निर्देश दिया कि राज्य में एक साथ 13 मेडिकल कॉलेजों का उद्घाटन किया जाएगा। सीएम योगी ने निर्देश दिया कि आगामी सत्र से 13 नए मेडिकल कॉलेजों में एमबीबीएस पाठ्यक्रमों में एडमिशन की प्रक्रिा शुरू हो, इसके लिए तैयारी पूरी हो जानी चाहिए।

राज्य में विकास कार्यों को तय समय पर किया जाए खत्मः सीएम योगी ने सभी अपर मुख्य सचिव, प्रमुख सचिवों को निर्देश दिया कि वो निर्माणाधीन परियोजनाओं की पाक्षिक समीक्षा करें। अगर काम में देरी से लागत बढ़ती है तो परियोजनाओं के लिए बजट का पुनरीक्षण नहीं होगा। नए सत्र से अपने ही परिसर से अलीगढ़, सहारनपुर और आजमगढ़ के राज्य विश्वविद्यालय संचालित होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जनहित से संबंधित निर्माण परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने को लेकर निर्देश जारी किया गया है। साथ ही विभिन्न विभागों के अपर मुख्य सचिवों और प्रमुख सचिवों संग हुई बैठक में निर्माणाधीन प्रोजेक्ट्स की समयबद्धता और गुणवत्ता की समीक्षा करने को कहा गया है, जिससे किसी भी तरह का समझौता नहीं किया जाएगा। परियोजनाओं में अनिवार्य रूप से इसका पालन होना चाहिए।

ढाबे में घुसे डंपर ट्रक ने लोगों को कुचला, 3 की मौत

इटावा, एक डंपर ट्रक रविवार तड़के ढाबे में जा घुसा और तीन लोगों को कुचल दिया। इस दुर्घटना में 3 लोगों की मौके पर ही मौत हो गई है, जबकि तीन लोग गंभीर रूप से घायल हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और घायलों को नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया है।

यह सड़क हादसा यूपी के इटावा जिले में हुआ है। इटावा–कानपुर हाइवे पर तेज रफ्तार में जा रहा एक डंपर ट्रक अनियंत्रित हो गया और ढाबे में घुस गया।

ट्रक की भिड़ंत से ढाबा गिर गया। जिस वक्त यह दुर्घटना हुई, उस वक्त कुछ लोग ढाबे के अंदर सो रहे थे। इस हादसे के बाद ढाबे के मलबे में दबे तीन लोगों की जान चली गई और तीन लोग जख्मी हो गए। लोगों की सूचना पर डीएम–एसएसपी समेत पुलिस और प्रशासनिक अधिकारियों की टीम आनन–फानन में मौके पर पहुंची। पुलिस ने क्रेन बुलाकर ढाबे में घुसे डंपर ट्रक को हटवाया और फिर लोगों को बाहर निकाला। इसके बाद पुलिस ने घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया है, जहां डॉक्टरों की निगरानी में उनका इलाज चल रहा है। डंपर ट्रक कैसे बेकाबू हो गया है, इसकी जांच पड़ताल चल रही है।इटावा के जिलाधिकारी अवनीश राय ने कहा कि ढाबे से एक डंपर ट्रक टकरा गया है। हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई और 3 घायल हो गए हैं। इसके बाद पास के अस्पताल में घायलों को एडमिट करा दिया गया है और शव भी बरामद कर लिए गए हैं। इस हादसे की जांच की जाएगी।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने संसद की सुरक्षा में चूक को बताया बेहद चिंताजनक

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि संसद में हुई घटना बेहद चिंताजनक है और इसकी तह तक जाकर जांच करने की जरूरत है. पीएम मोदी ने कहा कि संसद में जो घटना हुई उसकी गंभीरता को जरा भी कम नहीं देखना चाहिए. लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पूरी गंभीरता के साथ आवश्यक कदम उठाए हैं.

नई दिल्लीः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले दिनों संसद की सुरक्षा में हुई चूक पर चिंता जताई. साथ ही उन्होंने इस घटना का बहुत चिंताजनक बताया. पीएम मोदी ने एक हिंदी अखबार को दिए साक्षात्कार में कहा कि ये घटना बहुत ही दुखद और चिंताजनक है. इस इंटरव्यू के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने संसद की सुरक्षा के साथ–साथ हाल ही में हुए विधानसभा चुनावों में बीजेपी की जीत और जम्मू–कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बारे में भी बात की. पीएम मोदी ने कहा कि लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला संसद में सुरक्षा को अभेद्य बनाने के लिए हर संभव जरूरी कदम उठा रहे हैं.

पीएम मोदी ने संसद की घटना को बताया चिंताजनकः प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि संसद में हुई घटना बेहद चिंताजनक है और इसकी तह तक जाकर जांच करने की जरूरत है. पीएम मोदी ने कहा कि संसद में जो घटना हुई उसकी गंभीरता को जरा भी कम नहीं देखना चाहिए. उन्होंने कहा कि इसीलिए लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने पूरी गंभीरता के साथ आवश्यक कदम उठाए हैं. इस मामले में जांच एजेंसी सख्ती से जांच कर रही है. इसके पीछे कौन से तत्व हैं, उनके क्या मंसूबे हैं, इसकी गहराई में जाना भी उतना ही जरूरी है. जिससे समाधान का रास्ता खोजा जा सके. इसके साथ ही पीएम मोदी ने विपक्ष को नसीहत देते हुए उन्होंने कहा कि, 'एक मन से समाधान के रास्ते भी खोजने चाहिए. उन्होंने कहा कि ऐसे विषयों पर वाद–विवाद या प्रतिरोध से सभी को बचना चाहिए.'

तीन राज्यों में जीत पर जताई खुशीः इसी के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में हुए पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव में तीन में बीजेपी की जीत पर खुशी जताई. इस पर पीएम मोदी ने विपक्ष को सकारात्मक राजनीति करने की सलाह दी. पीएम मोदी ने कहा कि विपक्ष को सकारात्मक राजनीति की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए. पीएम मोदी ने तीनों राज्यों में बीजेपी की जीत को आगामी लोकसभा चुनाव के लिए एक अहम संदेश करार दिया. पीएम ने कहा कि सीटों की गिनती से ज्यादा जनता के दिलों को जीतना उनकी प्राथमिकता है. इसके लिए मैं मेहनत करता हूं और जनता झोली भर देती है.

अनुच्छेद 370 को निरस्त करने का किया जिक्र बता दें कि जम्मू कश्मीर से अनुच्छेद 370 को निरस्त किए जाने को केंद्र के फैसले को सुप्रीम कोर्ट ने भी सही माना. जिसपर विपक्षी दलों और कश्मीर के राजनेताओं ने अनुच्छेद 370 की वापसी के लिए लंबी लड़ाई लड़ने की बात कही. इस मुद्दे पर पीएम मोदी ने कहा कि ब्रह्मांड की कोई ताकत जम्मू कश्मीर में अनुच्छेद 370 की वापसी नहीं कर सकती. इसी के साथ पीएम मोदी ने कहा कि इसे अब सकारात्मक काम में उपयोग करेंगे.

संसद सुरक्षा चूकः आरोपियों के जले हुए मोबाइल स्पेशल सेल को मिले

दिल्ली, संसद की सुरक्षा चूक मामले में दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल की जांच तेज हो गई है। इसी क्रम में जांच टीम को सभी आरोपियों के मोबाइल फ़ोन मिल गए हैं। हालांकि यह सभी फ़ोन जले हुए हैं। बता दें कि इस कांड को अंजाम देने से पहले सभी आरोपियों के फोन मास्टरमाइंड ललित झा ने ले लिए थे। उसने इन्हें राजस्थान भागने के दौरान तोड़कर जला दिए थे। वहीं पुलिस ने पूछताछ में ललित से इन फोन की लोकेशन उगलवा ली और आज इन्हें बरामद कर लिया है। स्पेशल सेल की टीम अब इन फोन से जानकारी जुटाने की कोशिश करेगी।

वहीं स्पेशल सेल को जांच के दौरान मालूम हुआ है कि आरोपी एक–दूसरे से इंस्टाग्राम पर बनाए गए भगत सिंह फैन पेज के जरिए मिले थे।

जांच के दौरान पता चला है कि इस पेज को देशभक्त88 नाम के हैंडल से बनाया था। इसके साथ ही इस पेज में देश के युवाओं को जोड़ने की अपील भी की गई थी। पेज पर की गई एक पोस्ट में कहा गया है कि वह लोग बीजेपी और कांग्रेस से नहीं जुड़े हैं। वह क्रांति करना चाहते हैं और उसके लिए युवा उनके साथ जुड़ें। पुलिस ने बताया है कि यह लोग अब तक कई युवाओं का ब्रेनवाश कर चुके हैं और उन्हें अपने साथ जोड़ चुके हैं।

इस पेज के चैट बॉक्स में आप देख सकते हैं ललित ने अपना परिचय दिया कि मैं पश्चिम बंगाल से हूं। इसके बाद में महेश जुड़ा और उसने अपना परिचय दिया मैं राजस्थान से हूं।

इसके बाद पेज चलाने वाला देशभक्त–88 लिखता है वाट्स एप पर आओ और वह वहां अपना नंबर भी साझा करता है। हालांकि यह देशभक्त–88 कौन है? इसकी अभी जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन इतना साफ़ हो रहा है कि यह सभी आरोपी एक–दूसरे के संपर्क में आये थे। अब इस पेज से जुड़े लोगों से भी जल्द ही पूछताछ हो सकती है।

संपादकीय

अर्थव्यवस्था का विस्तार

एक ओर जहां बड़ी अर्थव्यवस्थाओं की वृद्धि दर पर कई कारणों से ग्रहण लग रहा है, वहीं भारतीय अर्थव्यवस्था में निरंतर बढ़ोतरी हो रही है. वैश्विक निवेशकों के भारत में बढ़ते भरोसे से अर्थव्यवस्था को ठोस आधार भी मिल रहा है. हाल ही में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज की कुल बाजार पूंजी चार ट्रिलियन डॉलर से अधिक हो चुकी है. हमारी अर्थव्यवस्था भी चार ट्रिलियन डॉलर का आंकड़ा छूने से कुछ ही दूर है. ऐसे में पूरे विश्वास से कहा जा सकता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था जल्दी ही पांच ट्रिलियन डॉलर के लक्ष्य को हासिल कर लेगी. सकल घरेलू उत्पादन (जीडीपी) के आधार पर भारत पांचवें पायदान पर पहले ही पहुंच चुका है. वैश्विक निवेशक आम तौर पर अमेरिका, यूरोप, चीन और उभरती अर्थव्यवस्थाओं में निवेश करते हैं. वृद्धि के मामले में भारत उभरती अर्थव्यवस्थाओं में शीर्ष पर है. निवेशकों के भारत में बढ़ते भरोसे का प्रमुख कारण राजनीतिक स्थिरता है. इससे नीतिगत स्थिरता बनी रहती है. दूसरा कारण आर्थिक सुधार हैं, जिनके कारण कारोबारी सुगमता आयी है तथा पारदर्शिता बढ़ी है. रिजर्व बैंक के रूप में हमारे पास एक मजबूत केंद्रीय बैंक है तथा बैंकिंग प्रणाली सुचारू रूप से चल रही है. यह तीसरी वजह है.

> इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा उत्पाद, इंजीनियरिंग, मशीनरी आदि के क्षेत्र में निर्यात में तेज बढ़ोतरी हो रही है. कोरोना काल में पैदा हुई स्थितियों, आपूर्ति शृंखला में अवरोध तथा भू-राजनीतिक आशंकाओं को देखते हुए कई बड़ी अंतरराष्ट्रीय कंपनियां चीन के विकल्प तलाश रही हैं. इसका बड़ा फायदा भारत को मिला है.

इंफ्रास्ट्रक्चर विकास, कल्याणकारी योजनाओं तथा तकनीक पर ध्यान देने से खर्च में बढ़ोतरी स्वाभाविक है. इसके बावजूद सरकारी कर्ज जीडीपी का लगभग 82 प्रतिशत है, जबकि अनेक विकसित और विकासशील देशों में यह आंकड़ा सौ फीसदी से ज्यादा हो चुका है. सरकार ने देशी-विदेशी बाजार के लिए गुणवत्तापूर्ण वस्तुओं के निर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन से संबंधित प्रोत्साहन योजना का लाभ दिखने लगा है. इलेक्ट्रॉनिक्स, रक्षा उत्पाद, इंजीनियरिंग, मशीनरी आदि के क्षेत्र में निर्यात में तेज बढ़ोतरी हो रही है. कोरोना काल में पैदा हुई स्थितियों, आपूर्ति शृंखला में अवरोध तथा भू-राजनीतिक आशंकाओं को देखते हुए कई बड़ी अंतरराष्ट्रीय कंपनियां चीन के विकल्प तलाश रही हैं. इसका बड़ा फायदा भारत को मिला है. सभी कारक इंगित कर रहे हैं कि प्रगति की रफ्तार धीरे-धीरे बढ़ती जायेगी और भारत आगामी आठ-दस वर्षों में दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बन जायेगा. शेयर बाजार की पूंजी और प्रत्यक्ष विदेशी निवेश में वृद्धि एक सकारात्मक संकेत है. उल्लेखनीय है कि अच्छे मुनाफे के बावजूद उस अनुपात में घरेलू उद्योग निवेश नहीं कर रहे हैं. डिजिटल तकनीक तथा स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में प्रगति उत्साहजनक है, पर इसमें तेजी लाने की जरूरत है ताकि अर्थव्यवस्था को एक छलांग मिल सके.

सुप्रीम कोर्ट के फैसले से भारत की संप्रभुता-अखंडता बरकरार

नरेंद्र मोदी

मैंने दीपावली के दिन जम्मू-कश्मीर में मौजूद रहने का भी फैसला किया.जम्मू एवं कश्मीर की विकास यात्रा को और मजबूती प्रदान करने के लिए हमने यह तय किया कि हमारी सरकार के मंत्री बार-बार वहां जायेंगे और वहां के लोगों से सीधे संवाद करेंगे. इन लगातार दौरों ने भी जम्मू एवं कश्मीर में सद्भावना कायम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. मई 2014 से मार्च 2019 के दौरान 150 से अधिक मंत्रिस्तरीय दौरे हुए. यह अपने आप में एक कीर्तिमान है.

भारत के माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने अनुच्छेद 370 और 35 (ए) को निरस्त करने पर 11 दिसंबर को ऐतिहासिक फैसला सुनाया है. माननीय सर्वोच्च न्यायालय ने अपने फैसले में भारत की संप्रभुता और अखंडता को बरकरार रखा है, जिसे प्रत्येक भारतीय द्वारा सदैव संजोया जाता रहा है. सुप्रीम कोर्ट का यह कहना पूरी तरह से उचित है कि पांच अगस्त 2019 को हुआ निर्णय संवैधानिक एकीकरण को बढ़ाने के उद्देश्य से लिया गया था, न कि इसका उद्देश्य विघटन था. सर्वोच्च न्यायालय ने इस तथ्य को भी भलीभांति माना है कि अनुच्छेद 370 का स?वरूप स्थायी नहीं था.

जम्मू, कश्मीर और लद्दाख की खूबसूरत और शांत वादियां, बर्फ से ढके पहाड़, पीढ़ियों से कवियों, कलाकारों और हर भारतीय के दिल को मंत्रमुग्ध करते रहे हैं. यह एक ऐसा अद्भुत क्षेत्र है जो हर दृष्टि से अभूतपूर्व है, जहां हिमालय आकाश को स्पर्श करता हुआ नजर आता है, और जहां इसकी झीलों एवं नदियों का निर्मल जल स्वर्ग का दर्पण प्रतीत होता है. लेकिन पिछले कई दशकों से जम्मू-कश्मीर के अनेक स्थानों पर ऐसी हिंसा और अस्थिरता देखी गई, जिसकी कल्पना तक नहीं की जा सकती. वहां के हालात कुछ ऐसे थे, जिससे जम्मू-कश्मीर के परिश्रमी, प्रकृति प्रेमी और स्नेह से भरे लोगों को कभी भी रू-ब-रू नहीं होना चाहिए था.

लेकिन दुर्भाग्यवश, सदियों तक उपनिवेश बने रहने, विशेषकर आर्थिक और मानसिक रूप से पराधीन रहने के कारण, तब का समाज एक प्रकार से भ्रमित हो गया. अत्यंत बुनियादी विषयों पर स्पष्ट नजरिया अपनाने के बजाय दुविधा की स्थिति बनी रही, जिससे और ज्यादा भ्रम उत्पन्न हुआ. अफसोस की बात यह है कि जम्मू-कश्मीर को इस तरह की मानसिकता से व्यापक नुकसान हुआ. देश की आजादी के समय तब के राजनीतिक नेतृत्व के पास राष्ट्रीय एकता के लिए एक नई शुरुआत करने का विकल्प था. लेकिन तब इसके बजाय उसी भ्रमित समाज का दृष्टिकोण जारी रखने का निर्णय लिया गया, भले ही इस वजह से दीर्घकालिक राष्ट्रीय हितों की अनदेखी करनी पड़ी.

मुझे अपने जीवन के शुरुआती दौर से ही जम्मू-कश्मीर आंदोलन से जुड़े रहने का अवसर मिला है. मेरी अवधारणा सदैव ही ऐसी रही है जिसके अनुसार जम्मू-कश्मीर महज एक राजनीतिक मुद्दा नहीं था, बल्कि यह विषय समाज की आकांक्षाओं को पूरा करने के बारे में था. डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी को नेहरू मंत्रिमंडल में एक महत्वपूर्ण विभाग मिला हुआ था और वे काफी लंबे समय तक सरकार में बने रह सकते थे. फिर भी, उन्होंने कश्मीर मुद्दे पर मंत्रिमंडल छोड़ दिया और आगे का कठिन रास्ता चुना, भले ही इसकी कीमत उन्हें अपनी जान देकर चुकानी पड़ी. लेकिन उनके अथक प्रयासों और बलिदान से करोड़ों भारतीय कश्मीर मुद्दे से भावनात्मक रूप से जुड़ गये.कई वर्षों बाद अटल जी ने श्रीनगर में एक सार्वजनिक बैठक में 'इंसानियत', 'जम्हूरियत' और 'कश्मीरियत' का प्रभावशाली संदेश दिया, जो सदैव ही प्रेरणा का महान स्रोत भी रहा है. मेरा हमेशा से दृढ़ विश्वास रहा है कि जम्मू-कश्मीर में जो कुछ हुआ था, वह हमारे राष्ट्र और वहां के लोगों के साथ एक बड़ा विश्वासघात था. मेरी यह भी प्रबल इच्छा थी कि मैं इस कलंक को, लोगों पर हुए इस अन्याय को मिटाने के लिए जो कुछ भी कर सकता हूं, उसे जरूर करूं. मैं हमेशा से जम्मू-कश्मीर के लोगों की पीड़ा को कम करने के लिए काम करना चाहता था.सरल शब्दों में कहें तो, अनुच्छेद 370 और 35 (ए) जम्मू, कश्मीर और लद्दाख के सामने बड़ी बाधाओं की तरह थे. ये अनुच्छेद एक अटूट दीवार की तरह थे तथा गरीब,वंचित, दलितों-पिछड़ों-महिलाओं के लिए पीड़ादायक थे. अनुच्छेद 370 और 35(ए) के कारण जम्मू-कश्मीर के लोगों को वह अधिकार और विकास कभी नहीं मिल पाया, जो उनके साथी देशवासियों को मिला. इन अनुच्छेदों के कारण, एक ही राष्ट्र के लोगों के बीच दूरियां पैदा हो गईं. इस दूरी के कारण, हमारे देश के कई लोग, जो जम्मू-कश्मीर की समस्याओं को हल करने के लिए काम करना चाहते थे, ऐसा करने में असमर्थ थे, भले ही उन लोगों ने वहां के लोगों के दर्द को स्पष्ट रूप से महसूस किया हो.एक कार्यकर्ता के रूप में, जिसने पिछले कई दशकों से इस मुद्दे को करीब से देखा हो, वो इस मुद्दे की बारीकियों और जटिलताओं से भली-भांति परिचित था. मैं एक बात को लेकर बिल्कुल स्पष्ट था- जम्मू-कश्मीर के लोग विकास चाहते हैं तथा वे अपनी ताकत और कौशल के आधार पर भारत के विकास में योगदान देना चाहते हैं. वे अपने बच्चों के लिए जीवन की बेहतर गुणवत्ता चाहते हैं, एक ऐसा जीवन जो हिंसा और अनिश्चितता से मुक्त हो. इस प्रकार, जम्मू-कश्मीर के लोगों की सेवा करते समय, हमने तीन बातों को प्रमुखता दी- नागरिकों की चिंताओं को समझना, सरकार के कार्यों के माध्यम से आपसी-विश्वास का निर्माण करना तथा विकास, निरंतर विकास को प्राथमिकता देना.

मुझे याद है, 2014 में, हमारे सत्ता संभालने के तुरंत बाद, जम्मू-कश्मीर में विनाशकारी बाढ़ आई थी, जिससे कश्मीर घाटी में बहुत नुकसान हुआ था. सितंबर 2014 में, मैं स्थिति का आकलन करने के लिए श्रीनगर गया और पुनर्वास के लिए विशेष सहायता के रूप में 1000 करोड़ रुपये की घोषणा भी की. इससे लोगों में ये संदेश भी गया कि संकट के दौरान हमारी सरकार वहां के लोगों की मदद के लिए कितनी संवेदनशील है. मुझे जम्मू-कश्मीर में विभिन्न क्षेत्रों के लोगों से मिलने का अवसर मिला है और इन संवादों में एक बात समान समान रूप से उभरती है - लोग न केवल विकास चाहते हैं, बल्कि वे दशकों से व्याप्त भ्रष्टाचार से भी मुक्ति चाहते हैं. उस साल मैंने जम्मू-कश्मीर में जान गंवाने वाले लोगों की याद में दीपावली नहीं मनाने का फैसला किया. मैंने दीपावली के दिन जम्मू-कश्मीर में मौजूद रहने का भी फैसला किया.जम्मू एवं कश्मीर की विकास यात्रा को और मजबूती प्रदान करने के लिए हमने यह तय किया कि हमारी सरकार के मंत्री बार-बार वहां जायेंगे और वहां के लोगों से सीधे संवाद करेंगे. इन लगातार दौरों ने भी जम्मू एवं कश्मीर में सद्भावना कायम करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई. मई 2014 से मार्च 2019 के दौरान 150 से अधिक मंत्रिस्तरीय दौरे हुए. यह अपने आप में एक कीर्तिमान है.स्थापना को प्रोत्साहित किया जाना इन सबमें एक सबसे अनूठी बात रही. इसके परिणाम शानदार निकले.

बिजनेस

ग्लोबल इकोनॉमी में उठा-पटक के बीच विदेशी निवेशकों की पसंद बना भारत, इस साल किया 1.5 लाख करोड़ निवेश

नई दिल्ली: दिसबंर के महीने में भारतीय शेयर बाजार में पिछले छह साल का सबसे लंबी तेजी देखने को मिली. इस बीच आईपीओ को लेकर भी निवेशकों में खास उत्साह दिखा. फेड द्वारा सख्त चक्र के अंत के संकेत के बाद आई, जिससे अमेरिकी बांड पैदावार में गिरावट आई, 10 साल की अवधि 4% से नीचे चली गई. इससे विदेशी निवेशकों का रुख भारतीय बाजार की तरफ हुआ.

वैश्विक निवेश समुदाय में अब इस बात पर लगभग आम सहमति है कि आने वाले कई वर्षों तक निरंतर विकास के लिए उभरती अर्थव्यवस्थाओं में भारत के पास सबसे अच्छी संभावनाएं हैं. जेपी मॉर्गन इमर्जिंग मार्केट बॉन्ड इंडेक्स में भारत को शामिल करने के बाद, भारतीय सरकारी बॉन्ड में निवेश करने के लिए बहुत उत्साह है. इसका असर भारतीय बाजार पर ये देखने को मिला कि विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने 2023 में भारतीय शेयर बाजार में करीब 1.5 लाख करोड़ रुपये डाले हैं. विशेषज्ञों का मानना है कि एफपीआई का यह सकारात्मक रुख अगले साल यानी 2024 में भी जारी रहने की उम्मीद है.

मॉर्निंगस्टोर इंडिया के एसोसिएट निदेशक-प्रबंधक शोध हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि आगे चलकर अगले साल होने वाले आम चुनाव के बीच राजनीतिक स्थिरता और आर्थिक वृद्धि विदेशी निवेशकों के लिए प्रमुख मुद्दा रहेगी. इसके अलावा वैश्विक स्तर पर मुद्रास्फीति और ब्याज दर परिदृश्य भारतीय शेयरों में विदेशी प्रवाह की दिशा तय करेगा. उन्होंने कहा कि अपनी मजबूत आर्थिक वृद्धि के साथ भारत एफपीआई के आकर्षण का केंद्र बना रहेगा. डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार, इस साल अबतक विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजारों में शुद्ध रूप से लगभग 1.5 लाख करोड़ रुपये का निवेश किया है. इसके अलावा ऋण या बॉन्ड बाजार में भी उन्होंने लगभग 60,000 करोड़ रुपये डाले हैं. कुल मिलाकर उनका निवेश दो लाख करोड़ रुपये से अधिक रहा है. तीन महत्वपूर्ण राज्यों में हाल के चुनावों में भाजपा की जीत के बाद राजनीतिक स्थिरता की स्थिति बेहतर होने से शेयरों में डेढ़ लाख करोड़ रुपये के निवेश में से करीब 43,000 करोड़ रुपये का प्रवाह दिसंबर के पहले दो सप्ताह में हुआ है. माना जा रहा है कि एफपीआई प्रवाह के लिए यह सबसे अच्छा साल हो सकता है. एफपीआई ने 2021 में शेयरों में शुद्ध रूप से 25,752 करोड़ रुपये, 2020 में 1.7 लाख करोड़ रुपये और 2019 में 1.01 लाख करोड़ रुपये डाले थे.

2022 में विदेशी निवेशकों के लिए अलग था फैक्टर: हिमांशु श्रीवास्तव ने कहा कि 2022 में विदेशी निवेशकों का प्रवाह काफी हद तक अमेरिका और ब्रिटेन जैसे विकसित बाजारों में मुद्रास्फीति और ब्याज दर परिदृश्य, मुद्रा के उतार-चढ़ाव, कच्चे तेल की कीमतों, भू-राजनीतिक परिदृश्य और घरेलू अर्थव्यवस्था की सेहत जैसे कारकों से प्रेरित था. जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वीके विजयकुमार ने कहा कि भारत एफपीआई के लिए शीर्ष निवेश गंतव्य है. वैश्विक निवेशक समुदाय के बीच यह आम राय है कि आगामी वर्षों में सतत वृद्धि की दृष्टि से उभरती अर्थव्यवस्थाओं में भारत की स्थिति सबसे बेहतर है.

पीएनबी की लंबी छलांग, एक साल के शिखर पर पहुंचा मार्केट कैप, दूसरी 9 कंपनियों का भी बढ़ा बाजार पूंजी

नई दिल्ली: भारतीय शेयर बाजार में जारी तेजी का असर सूचकांकों में शामिल कंपनियों के पूंजी पर दिख रहा है. स्टॉक मार्केट में ये पिछले साल की सबसे लंबी तेजी का दौर है. इस बीच, पंजाब नेशनल बैंक ने बड़ी छलांग लगायी है. पीएनबी का मार्केट कैप एक लाख करोड़ रुपये के पार निकल गया है. भारत सरकार की ये तीसरी बैंक है जिसका बाजार पूंजी एक लाख करोड़ के बेंच मार्क को पार कर गया है. वर्तमान में पीएनबी से आगे एसबीआई का मार्केट कैप 5.78 लाख करोड़ रुपये और बैंक ऑफ बड़ौदा का मार्केट कैप 1.16 लाख करोड़ रुपये है. पिछले सप्ताह के आखिरी कारोबारी दिन बैंक के शेयर में तेजी देखने को मिली. पीएनबी के शेयर 1.33 प्रतिशत की तेजी के साथ 91.10 रुपये पर बंद हुआ. जबकि कारोबार के दौरान शेयर के भाव दो प्रतिशत चढ़कर 92 रुपये तक पहुंच गए थे, जो पिछले 52 सप्ताह का उच्चतम स्तर था. इस बीच, निफ्टी बैंक सूचकांक, 0.86 प्रतिशत यानी 411.25 अंक की तेजी के साथ 48,143.55 पर बंद हुआ था. सेंसेक्स की शीर्ष 10 कंपनियों में से नौ के बाजार पूंजीकरण में बीते सप्ताह सामूहिक रूप से 2.26 लाख करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई. सबसे अधिक लाभ में टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) और इन्फोसिस रहीं. बीते सप्ताह बीएसई का 30 शेयरों वाला सेंसेक्स 1,658.15 अंक या 2.37 प्रतिशत के लाभ में रहा. शुक्रवार को सेंसेक्स 969.55 अंक या 1.37 प्रतिशत बढ़कर 71,483.75 के रिकॉर्ड उच्चस्तर पर बंद हुआ. दिन में कारोबार के दौरान यह 1,091.56 अंक या 1.54 प्रतिशत बढ़कर 71,605.76 अंक तक पहुंच गया था, जो इसका अबतक का सर्वकालिक उच्चस्तर है. समीक्षाधीन सप्ताह में रिलायंस इंडस्ट्रीज, टीसीएस, आईसीआईसीआई बैंक और इन्फोसिस सहित नौ कंपनियों का संयुक्त बाजार मूल्यांकन 2,26,391.77 करोड़ रुपये बढ़ गया. सिर्फ भारती एयरटेल के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई. सप्ताह के दौरान टीसीएस का बाजार मूल्यांकन 85,493.74 करोड़ रुपये बढ़कर 14,12,412.13 करोड़ रुपये पर पहुंच गया. सबसे अधिक लाभ में टीसीएस ही रही.

निवेशकों को आकर्षित करने को सरकार ला रही आइटी और टूरिज्म पॉलिसी

पटना. राजधानी पटना में बिहार स्टार्टअप नीति के तहत नई स्टार्टअप इकाइयों को प्रोत्साहित करने के लिए बनाए गए दूसरे बी हब का उद्घाटन बिहार के उपमुख्यमंत्री तेजस्वी प्रसाद यादव ने शुक्रवार को किया. इस दौरान तेजस्वी यादव ने वहां के कुछ स्टार्टअप यूनिट संचालकों से बातचीत भी की. उन्हें बेहतर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया. बी-हब के उद्घाटन के अवसर पर संवाददाताओं को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री तेजस्वी ने कहा कि ग्लोबल समिट एतिहासिक रही. अच्छा निवेश आया. इसमें सभी का साझा प्रयास रहा. उन्होंने बताया कि बिहार में अधिक से अधिक निवेशकों को आकर्षित करने के लिए हम आईटी और टूरिज्म पॉलिसी लेकर आ रहे हैं.

तेजस्वी यादव ने कहा कि बिहार में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में निवेश का माहौल बनाया गया है. विदेशों में उद्यम लगाने वाले बिहार के लोग बिहार आ रहे हैं. अच्छी बात है. वे यहां काम करना चाहते हैं. हमें निवेश के माहौल को बनाये रखने की जरूरत है. जब बिहार के लोग बिहार में निवेश करेंगे तो यहां रेवेन्यू भी जनेंट होगा. वह यहीं रहेगा. इससे यहां की अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी. इस दौरान उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ ने कहा कि इमर्जिंग स्टार्टअप इकोसिस्टम के मामले में बिहार भारत में प्रथम स्थान पर है. स्टार्टअप नीति के तहत बिहार की युवाओं को हर प्रकार की सहायता दी जा रही है. पटना के उद्योग भवन में जीरो लैब इनक्यूबेशन सेंटर खोला है. इसके अलावा सभी जिला मुख्यालयों में युवाओं को प्रोत्साहित करने के लिए इनक्यूबेशन सेंटर खोला गया है. उद्योग विभाग हर तरफ से मदद करने के लिए तैयार है.

दूसरे बी-हब का निर्माण पटना के फ्रेजर रोड में किया गया गया है. यहां 186 स्टार्टअप्स के लिए को वर्किंग स्पेस उपलब्ध है. कुछ स्टार्टअप ने आज यहां औपचारिक तौर पर उपस्थिति भी दर्ज करायी है. दूसरे बी हब के उद्घाटन समारोह में बिहार के उद्योग मंत्री समीर कुमार महासेठ, उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव संदीप पौण्डरीक, उद्योग निदेशक पंकज दीक्षित, उद्योग विभाग के हस्तकरघा एवं रेशम निदेशालय के निदेशक विवेक रंजन मैत्रेय, उद्योग विभाग के विशेष सचिव दिलीप कुमार, इंडियन इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट के प्रोफेसर डॉ जोसेफ पॉल, आईआईटी इनक्यूबेशन सेंटर के इंचार्ज डॉ सुधीर कुमार मौजूद रहे.

हिंडनबर्ग रिपोर्ट से हुए नुकसान से तेजी बाहर आ रहा अदाणी ग्रुप, 64 बिलियन डॉलर रह गया घाटा

नई दिल्ली: भारत के दूसरे सबसे अमीर उद्योगपति गौतम अदाणी के लिए साल 2023 काफी मुश्किलों भरा रहा है. इस साल जनवरी के महीने में उन्हें मेरिकी शॉर्ट सेलिंग कंपनी हिंडनबर्ग रिसर्च के मनी लॉन्ड्रिंग से लेकर शेयर मैनिपुलेशन, फ्रॉड ट्रांजेक्शन, अकाउंटिंग फ्रॉड जैसे गंभीर आरोपों का सामना करना पड़ा. ग्रुप लगातार आरोपों का खारीज करता रहा. अदाणी से अपने एजीएम में रिपोर्ट पर चुप्पी तोड़ते हुए, इसे भारत पर कैलकुलेटेड अटैक करार दिया था. मगर, मामले की जांच सेबी के द्वारा की गयी. इसके कारण, कंपनी को करोड़ों रुपये का नुकसान उठाना पड़ा था.

अदाणी ग्रुप की नौ पब्लिक लिमिटेड कंपनियों की मार्केट वैल्यू में 150 बिलियन डॉलर के आसपास कम हो गयी. अदाणी एंटरप्राइजेज के शेयर की कीमत अभी भी बाजार में 18 प्रतिशत कम है. हालांकि, अब कंपनी के लिए एक बड़ी राहत की खबर है. अदाणी ग्रुप की कंपनियों का घाटा काफी हद तक कम हो गया है. समाचार एजेंसी रॉयटर्स के मुताबिक, अदाणी ग्रुप का घाटा शुक्रवार तक घटकर केवल 64 बिलियन डॉलर रह गया है. साथ ही, रिसर्च रिपोर्ट के बाद भी, अदाणी पोर्टस के शेयर 36 प्रतिशत और अदाणी पॉवर के शेयर में करीब 18 प्रतिशत मुनाफा दे रहे हैं.

रिपोर्ट के मुताबिक, अदाणी ग्रुप ने संकट से निकलने के लिए मजबूत स्टैटिजी बनायी. इसके तहत, ग्रुप ने दॅ और जैसे बड़े निवेशकों के साथ हाथ मिलाया. इससे शेयरहोल्डिंग को मजबूती मिली. हालांकि, इस दौरान कंपनी ने स्टॉक से समर्थित लोन का भी रीपेमेंट किया. कंपनी ने तीन मजबूत फ्रंट पर काम करना शुरू किया. रैपिड ग्रोथ, लिवरेज और वैल्यूएशन में लगातार सुधार के बारे में सोचा. अब ग्रुप का नेट प्रॉफिट करीब 22 बिलियन डॉलर के करीब है. साथ ही, एइक्ळऊअ (कैश फ्लो के लिए प्रॉक्सी) भी काफी हद तक बढ़ गया है. कंपनी का कंसॉलिडेटेड रेशियो 3.3 गुना से घटकर 2.5 गुना हो गया. छरऍ की रिपोर्ट के मुताबिक, मार्केट कैप के अनुसार, चार सबसे बड़े बिजनेस कमाई से 89 और 202 गुना व्यापार कर रहे हैं. जबकि, हिंडनबर्ग रिसर्च से पहले ये रेट 315 से 845 गुना था. हिंडनबर्ग रिसर्च की जांच पर सुप्रीम कोर्ट से कंपनी के पक्ष में सकारात्मक टिप्पणी से कंपनी को काफी फायदा मिला.

कारोबार के अवसर बढ़ायेगा 'वेड इन इंडिया'

विवाह से जुड़ी प्रत्येक चीज ट्रेंडी या विशिष्ट हो गयी है, लेकिन परंपरा को बनाये रखने की चाह भी नहीं मिटी है. इसी वजह से आधुनिकता व परंपरा का समन्वय एक फैशन भी बन गया है. ऐसे में यदि भारत में संस्कार और संस्कृति के मूल्यों के साथ 'डेस्टिनेशन वेडिंग' का अभियान आगे बढ़ाया जाए.

डॉ. जयंतीलाल भंडारी

आज हर कोई बिना तनाव एवं परेशानी के बेहतरीन वैवाहिक व्यवस्था करना चाहता है. इतना ही नहीं, विवाह के हर पहलू, जैसे डेकोरेशन, संगीत, मेंहदी की रस्म, भोजन की व्यवस्था और दूल्हा-दुल्हन के परिधान आदि सब पर भी खास ध्यान दिया जाता है. सारी ऐसी व्यवस्थाएं भारतीय वेडिंग प्लानरों द्वारा कुशलतापूर्वक पूरी की जा रही हैं. इससे विवाह में शामिल होने वाले मेहमानों के चेहरे पर भी खुशियां बनी रहती हैं. वेडिंग प्लानर होने से शादी से संबंधित किसी कार्य के लिए परेशान नहीं होना होता है तथा विवाह में केवल सज-धज कर पहुंचना होता है.विवाह समारोह वर्तमान में सामाजिक संस्कार के साथ-साथ व्यक्ति की प्रतिष्ठा का भी पर्याय बन गया है. साथ ही, विवाह से जुड़ी प्रत्येक चीज ट्रेंडी या विशिष्ट हो गयी है, लेकिन परंपरा को बनाये रखने की चाह भी नहीं मिटी है. इसी वजह से आधुनिकता व परंपरा का समन्वय एक फैशन भी बन गया है. ऐसे में यदि भारत में संस्कार और संस्कृति के मूल्यों के साथ 'डेस्टिनेशन वेडिंग' का अभियान आगे बढ़ाया जाए, तो संपन्न वर्ग के लोगों में विदेशों में 'डेस्टिनेशन वेडिंग' की बढ़ती हुई संख्या को सीमित किया जा सकता है तथा विदेशों से भी भारत में 'डेस्टिनेशन वेडिंग' को बढ़ाया जा सकता है. निश्चित रूप से जहां भारतीयों का विदेशों में विवाह आयोजनों का तेजी से बढ़ता रुझान घरेलू वेडिंग उद्योग के मद्देनजर नुकसान की तरह है, वहीं देश के विदेशी मुद्रा कोष को घटाने वाला भी है.

बीते दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उत्तराखंड ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को संबोधित करते हुए कहा कि इस समय देश के संपन्न वर्ग के बीच 'डेस्टिनेशन वेडिंग' के लिए विदेश जाना चलन बन गया है. यदि शादी के उत्सव को भारत की धरती पर भारत के लोगों के बीच मनायेंगे, तो देश का पैसा देश में ही रहेगा. उन्होंने कहा कि शादियों के लिए खरीदारी करते समय भी सभी को भारत में बने उत्पादों को ही महत्व देना चाहिए. प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि अब देश को 'मेक इन इंडिया' की तर्ज पर 'वेड इन इंडिया' जैसे आंदोलन की जरूरत है. देश में इस समय विवाह समारोहों के आयोजन से जुड़ा कारोबार करीब पांच लाख करोड़ रुपये का है. इस वेडिंग कारोबार में 15-17 प्रतिशत की वार्षिक बढ़ोतरी भी हो रही है. शादी को कुछ खास अंदाज में करने के लिए देश के बाहर 'डेस्टिनेशन वेडिंग' का चलन अब मध्यवर्गीय परिवारों में भी देखा जा रहा है. ऐसे में 'वेड इन इंडिया' आंदोलन को आगे बढ़ाकर भारत के वेडिंग कारोबार और इसमें रोजगार को नयी ऊंचाइयां दी जा सकती हैं.

अमीर वर्ग के लोग देश में ही 'डेस्टिनेशन वेडिंग' को अपनायें तथा विदेशों में रहने वाले भारतीय भी भारत में 'डेस्टिनेशन वेडिंग' की ओर आकर्षित हों, इसके लिए कई बातों पर ध्यान देना होगा. यह प्रचारित-प्रसारित करना होगा कि जिस तरह विदेश में 'डेस्टिनेशन वेडिंग' के लिए जो तैयारी होती है, उससे कम मूल्य में और गुणवत्तापूर्ण ढंग से वे तैयारियां बहुत कुछ भारत में भी हैं. भारत में भी शिक्षित-प्रशिक्षित वेडिंग प्लानर उपलब्ध हैं. वेडिंग प्लानर आयोजकों के साथ मिलकर न सिर्फ विवाह समारोह के लिए आयोजन की पूरी योजना बनाता है, बल्कि उस योजना को खास रूपरेखा प्रदान कर अंतिम रूप भी देता है. इनके द्वारा 'डेस्टिनेशन वेडिंग' से लेकर शादी की विभिन्न रस्मों की आकर्षक थीम और लजीज खानपान की व्यवस्था को खूबसूरती से अंजाम दिया जाता है. 'डेस्टिनेशन वेडिंग' के तहत निमंत्रण पत्र की डिजाइनिंग, गिफ्ट पैकिंग और जगह तय करने से लेकर बारात का स्वागत करने तक का सारा भार अलग-अलग वेडिंग कारोबार के विशेषज्ञों द्वारा पूरा होता है. आजकल लोगों के पास समय की बहुत कमी है और महत्वाकांक्षा बहुत अधिक है.

आज हर कोई बिना तनाव एवं परेशानी के बेहतरीन वैवाहिक व्यवस्था करना चाहता है. इतना ही नहीं, विवाह के हर पहलू, जैसे डेकोरेशन, संगीत, मेंहदी की रस्म, भोजन की व्यवस्था और दूल्हा-दुल्हन के परिधान आदि सब पर भी खास ध्यान दिया जाता है. सारी ऐसी व्यवस्थाएं भारतीय वेडिंग प्लानरों द्वारा कुशलतापूर्वक पूरी की जा रही हैं. इससे विवाह में शामिल होने वाले मेहमानों के चेहरे पर भी खुशियां बनी रहती हैं. वेडिंग प्लानर होने से शादी से संबंधित किसी कार्य के लिए परेशान नहीं होना होता है तथा विवाह में केवल सज-धज कर पहुंचना होता है.विवाह समारोह वर्तमान में सामाजिक संस्कार के साथ-साथ व्यक्ति की प्रतिष्ठा का भी पर्याय बन गया है. साथ ही, विवाह से जुड़ी प्रत्येक चीज ट्रेंडी या विशिष्ट हो गयी है, लेकिन परंपरा को बनाये रखने की चाह भी नहीं मिटी है. इसी वजह से आधुनिकता व परंपरा का समन्वय एक फैशन भी बन गया है. ऐसे में यदि भारत में संस्कार और संस्कृति के मूल्यों के साथ 'डेस्टिनेशन वेडिंग' का अभियान आगे बढ़ाया जाए, तो संपन्न वर्ग के लोगों में विदेशों में 'डेस्टिनेशन वेडिंग' की बढ़ती हुई संख्या को सीमित किया जा सकता है तथा विदेशों से भी भारत में 'डेस्टिनेशन वेडिंग' को बढ़ाया जा सकता है. निश्चित रूप से जहां भारतीयों का विदेशों में विवाह आयोजनों का तेजी से बढ़ता रुझान घरेलू वेडिंग उद्योग के मद्देनजर नुकसान की तरह है, वहीं देश के विदेशी मुद्रा कोष को घटाने वाला भी है.

ऐसे में सरकार और देश के वेडिंग आयोजनों से जुड़े निजी क्षेत्र को रणनीतिक रूप से ध्यान देना होगा कि इस समय देश के जो 'वेडिंग डेस्टिनेशन' आकर्षक बने हुए हैं, उन्हें और उपयुक्त बनाकर संपन्न वर्ग को लुभाया जाए. इनमें दिल्ली-एनसीआर, आगरा, उदयपुर, जयपुर, जोधपुर, मसूरी, देहरादून, गोवा, लवासा, पुणे, वाराणसी, ऋषिकेश, अहमदाबाद, गांधीनगर, वडोदरा, राजकोट, भावनगर, कोझिकोड, अर्नाकुलम, मांडू, उज्जैन, इंदौर आदि जैसी लोकप्रिय वेडिंग डेस्टिनेशन शामिल हैं.सरकार को यह भी ध्यान देना होगा कि देश में जो अनोखे पर्यटन केंद्र हैं, उनके आसपास 'वेडिंग डेस्टिनेशन' को विकसित किया जाए और नये 'वेडिंग डेस्टिनेशन' के लिए बुनियादी ढांचे की सुविधाओं पर ध्यान दिया जाए. भारत एक ऐसा देश है, जिसके पास हिमालय का सबसे अधिक हिस्सा, विशाल समुद्री तट-रेखा औररेत का रेगिस्तान, कच्छ में सफेद नमक रेगिस्तान, लद्दाख में ठंडे रेगिस्तान, देश के कोने-कोने में टाइगर रिजर्व समेत अभयारण्य और राष्ट्रीय उद्यान जैसी प्राकृतिक विविधताएं हैं. देश के विभिन्न भागों में तटीय पर्यटन, समुद्र तट पर्यटन, हिमालय पर्यटन, साहसिक पर्यटन, धार्मिक पर्यटन, वन्यजीव पर्यटन, पर्यावरण पर्यटन, विरासत पर्यटन से जुड़े क्षेत्रों के नजदीक 'वेडिंग डेस्टिनेशन' के लिए व्यापक बुनियादी ढांचे और अन्य पर्यटन सुविधाओं को नयी सोच के साथ आकार देना होगा. बेहतर सड़क, रेल और हवाई संपर्क से भी देशी-विदेशी विवाह आयोजनों के इच्छुकों को बढ़ाना होगा. 'वेडिंग डेस्टिनेशन' सेक्टर को अधिक जीवंत बनाने के लिए ऐसी रणनीति के साथ आगे बढ़ना होगा, जिससे देशी-विदेशी विवाह आयोजन के इच्छुक ऐसे डेस्टिनेशन को वेडिंग के लिए अधिक यादगार, लाभप्रद, और सुगम अनुभव करें. 'वेडिंग डेस्टिनेशन' को पुष्पित-पल्लवित करने वाले इन सभी कार्यों के लिए केंद्र सरकार, राज्यों और स्थानीय निकायों को मिलकर काम करना होगा.यदि इन सभी बातों पर रणनीतिपूर्वक ध्यान दिया जाए, तो निश्चित रूप से प्रधानमंत्री मोदी ने अमीर लोगों से देश के भीतर ही 'डेस्टिनेशन वेडिंग' करने के लिए जिस 'वेड इन इंडिया' जैसे आंदोलन की जरूरत बतायी है, उसके सफलतापूर्वक साकार होने की पूरी संभावनाएं हैं. इसके साथ-साथ इस संभावना को भी साकार किया जा सकता है कि विदेशों में रह रहे भारतीय समुदाय के साथ भारत में विभिन्न कारणों से भ्रमण के इच्छुक विदेशी भी अपने परिवार के सदस्यों के विवाह के लिए भारत को अपना 'वेडिंग डेस्टिनेशन' बनाना पसंद करें. इससे जहां 'वेडिंग डेस्टिनेशन' से जुड़े विभिन्न उद्यम व कारोबार आगे बढ़ेंगे, वहीं रोजगार के मौके भी बढ़ेंगे. ऐसे में भारत में 'डेस्टिनेशन वेडिंग' भारतीय अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने में अहम योगदान देती हुई दिखाई देगी.

(ये लेखक के निजी विचार हैं.)

चिंता

समय पर न्याय देने का हो प्रयास

जीएन बाजपेयी

भारत के लोकतंत्र के पवित्रतम स्थान संसद ने अपने ऐतिहासिक भवन से नयी इमारत में स्थानांतरण के साथ उस परिवर्तनकारी विषय को रेखांकित किया, जो केंद्र में भाजपा के आने को चिह्नित करता है. पुरानी इमारत का अपना इतिहास, भावना और कहानी है. जैसा कि केंद्रीय मंत्री डॉ जितेंद्र सिंह ने कहा, 'यहां तक कि उस इमारत की ईंटों और दीवारों पर भी ब्रिटिश काल से लेकर आजादी के बाद भारत के 15 प्रधानमंत्रियों के कार्यकाल तक की कहानियां और किस्से थे, यह हमेशा अमर रहेगी.' इस स्थान को 'संविधान भवन' का उचित नाम दिया गया है, क्योंकि स्वतंत्र भारत का संविधान यहीं प्रस्तुत किया गया था, उस पर बहस की गयी थी और उसे अपनाया गया था. इस परिवर्तन के साथ हमें मूल वादों पर फिर से विचार करना चाहिए.

इस वर्ष चार अप्रैल को जारी तीसरी भारतीय न्याय रिपोर्ट में बताया गया है कि दिसंबर 2020 तक उच्च न्यायालयों और जिला न्यायालयों में कुल 4.9 करोड़ मामले लंबित थे. इनमें से लगभग 1.90 लाख मामले 30 वर्षों से और 56 लाख मामले 10 वर्षों से अधिक समय से लंबित थे. जेलों में बंद कैदियों में से 77 प्रतिशत विचाराधीन कैदी हैं, जो सुनवाई की प्रतीक्षा में हैं. वर्ष 2021 में 88,725 विचाराधीन कैदियों ने हिरासत में औसतन एक से तीन साल बिताया था, वहीं 24,033 से अधिक विचाराधीन कैदियों ने औसतन पांच साल और 11,049 कैदियों ने औसतन पांच साल से अधिक समय जेलों में काटा था.

दो अगस्त, 2022 तक सर्वोच्च न्यायालय में कुल 71,411 (56,365 दीवानी और 15,076 आपराधिक) मामले लंबित थे. यह न्याय न मिलने की चिंताजनक तस्वीर है. इसे कहने का सबसे सरल तरीका है कि 'न्याय में देरी, न्याय न मिलने के बराबर है.' मैग्ना कार्टा की धारा 40 में लिखा है, 'हम किसी को भी न्याय के अधिकार से वंचित नहीं करेंगे या इसमें देरी नहीं करेंगे.' वर्ष 1948 में अपनायी गयी मानवाधिकारों की सार्वभौम घोषणा भी न्याय के अधिकार की गारंटी देती है. अत्यधिक देरी के गंभीर दीर्घकालिक परिणाम होते हैं. धीरे-धीरे यह न्याय प्रणाली में विश्वास को खत्म कर देती है.

क्रमिक सरकारों ने फास्ट ट्रैक अदालतें, विशेष न्यायाधिकरण, उपभोक्ता अदालतें, लोक अदालत आदि स्थापित करने जैसे कदम उठाये हैं. देरी के कारणों की भी पहचान की गयी है, जैसे सरकार सबसे बड़ी वादी है, अपर्याप्त बजट, जनसंख्या के मुकाबले न्यायाधीशों का कम अनुपात, क्षमता और प्रतिबद्धता की कमी, स्थगन का सामान्य प्रक्रिया बनना, लंबी न्यायिक प्रक्रिया, कार्य संस्कृति आदि. एक विशेष बुनियादी ढांचा निगम, न्याय प्रशासन की निगरानी और प्रशासनिक सुधार करने के लिए एक अलग प्राधिकरण की स्थापना, प्रशासनिक और न्यायिक कार्यों को अलग करना, सरकार के साथ सहयोग और समन्वय आदि जैसे सुझाव दिये गये हैं. हालांकि आम वादी को न्याय अभी भी भ्रामक और अप्राप्य लगता है.किसी ऐसे व्यक्ति से मिलें, जो सुनवाई के लिए पांच साल से अधिक समय से इंतजार कर रहा है, उसके जीवन और स्वतंत्रता पर गंभीर प्रभाव का दर्द चेहरे पर स्पष्ट रूप से दिखेगा. यह कहने की आवश्यकता नहीं है कि इस प्रकार पीड़ित होने वाले बड़ी संख्या में लोग गरीब और कई तरह से वंचित लोग हैं. लेकिन न्याय में देरी कुछ लोगों के लिए आर्थिक रूप से लाभदायक है. अतः इस क्षेत्र में ठोस पुनर्विचार की तत्काल आवश्यकता है. आज कहा जाता है कि सरकार प्राथमिकताओं के शीघ्र कार्यान्वयन के लिए समर्पित है, और 'मिशन मोड' में लक्ष्य पाने की बात करती है. इसका एक उदाहरण सरकार का 'नल से जल' कार्यक्रम है. उसी प्रकार न्याय दिलाना भी एक मिशन होना चाहिए. ऐसे मिशन की शुरुआत इस पहचान से होनी चाहिए कि मामलों के निपटारे में देरी के कारण क्या हैं. देरी से निपटने के लिए अपरंपरागत तरीकों को अपनाने पर भी विचार किया जाना चाहिए. यदि आवश्यक हो, तो कानूनों, संहिताओं, नियमों, विनियमों, प्रक्रियाओं के संशोधन पर विचार किया जाना चाहिए. ऐसा करना संभव है.निपटारे में तेजी के लिए मामलों को श्रेणियों में बांटा जाना चाहिए. ऐसे वर्गीकरण के आधार पर निपटारे के लिए समय सीमा तय की जानी चाहिए और उसे लागू किया जाना चाहिए. देरी के लिए जवाबदेही तय की जानी चाहिए और कार्रवाई की जानी चाहिए. न्यायपालिका को भी जवाबदेही के अधीन किया जाना चाहिए. हर जिले में कम से कम एक दर्जन निगरानी करने वाले नियुक्त किये जा सकते हैं. उन्हें कंप्यूटर, वर्गीकरण और सुनवाई, साक्ष्य एकत्रीकरण/प्रस्तुति, बहस और अंतिम आदेश लिखने और वितरण की करीबी निगरानी के लिए सीमित प्रशासनिक कर्मियों की सहायता की आवश्यकता होगी. प्रगति को उच्चतम स्तर पर ट्रैक किया जाना चाहिए और हर छह महीने में संबंधित रिपोर्ट संसद में पेश की जानी चाहिए.एक वर्ष से अधिक पुराने मामलों का निपटारा अलग अदालतों में होना चाहिए और जो मामले एक वर्ष या उससे कम पुराने हैं, उनके लिए अलग व्यवस्था होनी चाहिए.

दूरंदेशी सोच का परिणाम है नये मुख्यमंत्रियों का चयन

नीरजा चौधरी

पहले राज्य में कांग्रेस के पास कोई बड़ा चेहरा नहीं था, लेकिन रेवंत रेड्डी अपनी लगन से उस जगह को भरने में सफल रहे. राव से नाराजगी के अनेक कारण थे- वंशवाद, भ्रष्टाचार, मिलने में मुश्किल और दंभ. वे राजधानी से एक घंटे की दूरी पर स्थित अपने राजसी फार्महाउस में रहते थे. मैंने देखा कि सुरक्षा बंदोबस्त के कारण उस सड़क पर आप चल नहीं सकते. लोग नाराज थे, पर उनके सामने ठोस विकल्प नहीं था. जब कांग्रेस ने अपनी दावेदारी रखी, तो लोगों ने उसे स्वीकार किया क्योंकि उन्हें भरोसा हुआ कि कांग्रेस चुनाव जीत सकती है. रेवंत रेड्डी ने एक अच्छा अभियान चलाया.

मध्य प्रदेश में मोहन यादव, छत्तीसगढ़ में विष्णुदेव साय और राजस्थान में भजन लाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाने के भाजपा के निर्णय ने एक बार फिर राजनीतिक विश्लेषकों तथा लोगों को चौंका दिया है. वैसे भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के लगभग सभी फैसले चौंकाने वाले होते हैं. यह भी रेखांकित किया जाना चाहिए कि भाजपा नेतृत्व ने चुनाव में मध्य प्रदेश में निवर्तमान मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान, छत्तीसगढ़ में पूर्व मुख्यमंत्री रमन सिंह और राजस्थान में पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे सिंधिया को मुख्यमंत्री पद के लिए चेहरा नहीं बनाया था.

शिवराज सिंह चौहान लंबे समय तक मुख्यमंत्री रहे और अपने कल्याणकारी योजनाओं के कारण लोकप्रिय भी रहे, उन्हें भाजपा ने चुनाव अभियान के प्रारंभ में पीछे ही रखा था. जब नेतृत्व को अहसास हुआ कि चौहान की लोकप्रियता है, विशेष रूप से महिलाओं में, तब उन्हें आखिरी दिनों में आगे किया गया. उन्हें मुख्यमंत्री नहीं बनाने का अनुमान तो लगाया जा रहा था, पर जब भाजपा को भारी बहुमत हासिल हुआ, तब सबने कहा कि इस जीत का एक बड़ा कारण लाडली बहना योजना थी और चौहान ने प्रचार में खूब मेहनत भी की थी. ऐसा लग रहा था कि लोकसभा चुनाव में भाजपा किसी तरह का जोखिम नहीं चाहेगी, इसलिए चौहान ही मुख्यमंत्री बनेंगे. लेकिन ऐसा हुआ नहीं. इसी तरह राजस्थान में वसुंधरा राजे को पार्टी ने न तो चेहरा बनाया और न ही प्रचार में आगे रखा. छत्तीसगढ़ में भी रमन सिंह को अंतिम दिनों में प्रचार में सक्रिय किया गया था. भजन लाल शर्मा के मुख्यमंत्री बनाये जाने से पार्टी के परंपरागत सवर्ण वोट को भी संतुष्टि मिलेगी.इन निर्णयों से यही संकेत मिलता है कि पार्टी नेतृत्व नये चेहरों को आगे लाना चाहता है और उसे पूरा भरोसा है कि लोकसभा चुनाव में जीतने के लिए प्रधानमंत्री मोदी का चेहरा पर्याप्त होगा. यह भी स्पष्ट दिख रहा है कि भाजपा का केंद्रीय नेतृत्व ऐसे नेताओं को राज्यों की बागडोर दे रहा है, जो नेतृत्व की बात सुनेंगे और साथ मिलकर काम करेंगे. दूसरा कारक यह है कि भाजपा चाहती है कि आदिवासी समुदाय और पिछड़ी जातियों में एक ठोस संदेश जाए और वे भाजपा के पक्ष में लामबंद हों. तीनों उत्तर भारतीय राज्यों में आदिवासी समुदाय ने जमकर भाजपा को वोट दिया है. आगामी लोकसभा चुनाव में पिछड़ी जातियां एक महत्वपूर्ण कारक होंगी. उत्तर प्रदेश के चुनाव के दौरान एक बहुत वरिष्ठ भाजपा नेता से मैंने कहा था कि जाट आपसे दूर हो रहा है, किसानों का समर्थन कम हो रहा है, तो इस पर उन्होंने जवाब दिया कि वे जाट समुदाय को लेकर चिंतित नहीं हैं और उनकी प्राथमिकताओं में पिछड़ी जातियों में पार्टी का जनाधार बढ़ाना प्रमुख है. विपक्ष के 'इंडिया' गठबंधन ने जाति जनगणना को अपना केंद्रीय मुद्दा बनाया है. जाति जनगणना का सीधा मतलब पिछड़ों वर्गों का सशक्तीकरण है. गठबंधन इस बात पर जोर दे रहा है कि संख्या के हिसाब से पिछड़ी जातियों को आरक्षण मिलना चाहिए. पिछड़े वर्ग में कई जातियों के मतदाताओं का समर्थन प्रधानमंत्री मोदी और भाजपा के साथ रहा है. भाजपा का प्रयास है कि यादव समेत अन्य जातियों को भी साथ लाया जाए. आदिवासी समुदाय तो भाजपा के पीछे लामबंद हुआ ही है. मुख्यमंत्रियों के साथ-साथ उप मुख्यमंत्रियों के चयन में इस कारण की बड़ी भूमिका है.मिजोरम और तेलंगाना के चुनाव परिणाम भी कम नाटकीय नहीं रहे. मिजोरम में लालदुहोमा की जोरम पीपुल्स मूवमेंट ने अपने पहले ही चुनाव में शानदार बहुमत हासिल किया है. कयास लगाया जा रहा था कि राज्य में गठबंधन वाली ही कोई सरकार बनेगी. मिजो नेशनल फ्रंट ने मणिपुर में हिंसा को लेकर भाजपा से दूरी बना ली थी. लोगों ने वहां कांग्रेस समेत किसी पर भरोसा नहीं किया और नयी पार्टी को सरकार बनाने का जनादेश दे दिया. तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति ने कल्याणकारी योजनाओं के जरिये अपनी पैठ बनायी थी और पहले उसका कोई विकल्प नहीं दिख रहा था. करीब आठ-नौ माह पहले मैं तेलंगाना गयी थी. उस समय लोग समिति और भाजपा के बीच मुकाबला होने का अनुमान लगा रहे थे. कांग्रेस कहीं से भी के चंद्रशेखर राव को चुनौती देती नहीं दिख रही थी.

बॉलीवुड तड़का

रणबीर कपूर की एनिमल निकली केजीएफ 2 से आगे

नई दिल्लीः संदीप रेड्डी वांगा निर्देशित और रणबीर कपूर, रश्मिका मंदाना, तृप्ति डिमरी, अनिल कपूर और बॉबी देओल स्टारर फिल्म एनिमल ने बॉक्स ऑफिस पर दूसरे सप्ताह भी शानदार प्रदर्शन किया है, जिसके बाद से ये लगभग 130 करोड़ रुपये की कमाई करने वाली फिल्म बन गई है. तीसरे शुक्रवार को एनिमल की 8 करोड़ रुपये की कमाई के बाद, कुल हिंदी कलेक्शन 426 करोड़ रुपये हो गया है. जो जवान, पठान, गदर 2 और बाहुबली 2 के बाद हिंदी में यह 5वीं सबसे ज्यादा कमाई करने वाली भारतीय फिल्म बनकर उभरी है. देखने वाली बात यह होगी कि क्या यह 500 करोड़ रुपये के हिंदी क्लब में एंट्री कर पाती है या नहीं.

एनिमल ने शानदार प्रदर्शन किया है जो 15 दिनों के बाद भी रुकने वाला नहीं है. लंबे समय तक चलने और ए सर्टिफिकेशन के बावजूद यह अच्छा प्रदर्शन कर रही है. फल्मि तीसरे सप्ताह के लास्ट में डंकी की रिलीज़ के साथ बाधित हो जाएगी, जिसके बाद सालार आएगी. क्रिसमस रिलीज़ रणबीर कपूर की मेगा–ब्लॉकबस्टर स्क्रीन का एक बड़ा हिस्सा लेगी

एनिमल संदीप रेड्डी वांगा के दृढ़ विश्वास और रणबीर कपूर के क्लास एक्ट का परिणाम है. यह संख्या इस साल शाहरुख खान की दो फिल्मों 'जवान' और 'पठान' के बाद किसी भारतीय फिल्म के लिए तीसरी सबसे बड़ी है. विश्व स्तर पर कुल कमाई 800 करोड़ रुपये के आंकड़े को आसानी से पार कर जाएगी, जो एक अभूतपूर्व उपलब्धि है. रणबीर कपूर को एनिमल के बाद अपनी फिल्मों के चयन के बारे में और अधिक सतर्क रहना होगा, जो उनकी सबसे बड़ी हिट है.

और यह 2 नए दिग्गजों से कॉम्पिटिशन के साथ कायम रहेगी.

एनिमल संदीप रेड्डी वांगा के दृढ़ विश्वास और रणबीर कपूर के क्लास एक्ट का परिणाम है. यह संख्या इस साल शाहरुख खान की दो फिल्मों 'जवान' और 'पठान' के बाद किसी भारतीय फिल्म के लिए तीसरी सबसे बड़ी है. विश्व स्तर पर कुल कमाई 800 करोड़ रुपये के आंकड़े को आसानी से पार कर जाएगी, जो एक अभूतपूर्व उपलब्धि है. रणबीर कपूर को एनिमल के बाद अपनी फिल्मों के चयन के बारे में और अधिक सतर्क रहना होगा, जो उनकी सबसे बड़ी हिट है.

शाहरुख खान की फिल्म ने जवान को छोड़कर बाकी सभी बॉलीवुड फिल्मों को पछाड़ा

नई दिल्लीः साल 2023 में शाहरुख खान की पिछली दो फिल्मों ने भारत और विदेश में जबरदस्त कमाई की. डंकी एडवांस बुकिंग रिपोर्ट्स के मुताबिक, शाहरुख खान की फिल्म उत्तरी अमेरिका में शानदार प्रदर्शन कर रही है. एक रिपोर्ट के अनुसार, राजकुमार हिरानी का निर्देशन जवान को छोड़कर सभी बॉलीवुड फिल्मों से आगे है. एक्स पर पोस्ट किया गया, कुल उत्तरी अमेरिका दिवस 1 की कुल कमाई लगभग 210,000 अमेरिकी डालर यानी 1.74 करोड़ है, जबकि 15,000 टिकट बेचे गए हैं.

डंकी, जिसमें तापसी पन्नू, बोमन ईरानी और विक्की कौशल भी हैं, 21 दिसंबर को रिलीज होने के लिए तैयार है. फिल्म ने भारत और विदेश दोनों में प्रीमियर प्रदर्शन की व्यापक योजनाओं के साथ, फैंस के बीच उत्साह पैदा कर दिया है. रिपोर्ट के अनुसार, डंकी के लिए उन्नत टिकट बुकिंग 16 दिसंबर से शुरू की गई है. विदेशों में फिल्म के लिए एडवांस बुकिंग पिछले हफ्ते शुरू हुई और इसमें भारी भीड़ देखी गई. अनुमान 20.8 करोड़ के उत्तर में पहली फिल्म का सुझाव देते हैं. विदेशी बाजारों में कमाई 25 करोड़ से अधिक हो सकती है. क्रिसमस और नए साल की त्योहारी खिड़की से टिकटों की बिक्री बढ़ने की उम्मीद है. इस अवधि में फिल्म के सप्ताहांत स्तर के राजस्व को पूरे सप्ताह के दिनों में बनाए रखने की उम्मीद है. राजकुमार हिरानी की फिल्म में शाहरुख खान ने हरदयाल ₹हार्डी₹ सिंह ढिल्लों का किरदार निभाया है. हार्डी बल्ली, अनिल ग्रोवर, बुग्गू लखनपाल , विक्रम कोचर, सुखी, विक्की कौशल और मनु , तापसी पन्नू हैं, वे लंदन में माइग्रेट होने के सपने से एकजुट होते हैं. जिसके लिए वे अंग्रेजी भाषा और ब्रिटिश रीति–रिवाजों से परिचित होने के लिए निकल पड़ते हैं.इस दौरान वह लंदन में प्रवेश करने के लिए गलत रास्ता अपनाते हैं जिसे ₹द डंकी₹ कहा जाता है.

झुग्गी–झोपड़ी से स्टार बने थे जैकी श्रॉफ

हीरो के 40 साल पूरे होने पर हो गए इमोशनल

नई दिल्लीः हिंदी सिनेमा के दिग्गज कलाकार जैकी श्रॉफ अपने जमाने के रोमांटिक हीरो रहे हैं. उनकी डेब्यू फिल्म भी हीरो ही थी जिसने आज 16 दिसंबर को 40 साल पूरे कर लिए हैं. 'हीरो'आज ही के दिन साल 19983 में रिलीज हुई थी. इस फिल्म में जैकी श्रॉफ लीड रोल में नजर आए थे. एक्टर ने अपनी शानदार एक्टिंग और देसी अवतार से पूरे देश में रातो–रात शोहरत हासिल कर ली थी. इसी फिल्म से जग्गू दादा रातो रात स्टार बन गए थे. अपनी चार दशक लंबे करियर को एक्टर ने इंस्टाग्राम पर सेलिब्रेट किया है. जैकी श्रॉफ ने फिल्म के 40 साल पूरे होने पर एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया है.

जैकी श्रॉफ ने अपने इंस्टाहैंडल अपका भिड़ू पर एक वीडियो शेयर किया है. एक्टर ने कैप्शन में लिखा, ₹धूल से स्टार तक...हीरो के 40 साल.₹ वीडियो में फिल्म के पोस्टर और गाने बजते दिखाई दे रहे हैं. फैंस ने भी जैकी श्रॉफ को खूब बधाई दी हैं. सुभाष घई द्वारा निर्देशित 'हीरो' में जैकी श्रॉफ के अलावा एक्ट्रेस मीनाक्षी शेषाद्रि लीड हीरोइन थीं. मीनाक्षी के साथ जग्गू दादा की जोड़ी काफी पसंद की गई थी. दोनों की केमिस्ट्री और रोमांटिक गोनों को काफी पसंद किया गया था.फिल्म में दिवंगत एक्टर अमरीश पुरी, शम्मी कपूर, संजीव कुमार भी थे. इसके गाने ब्लॉकबस्टर हिट रहे थे. फिल्म के गीत 'प्यार करने वाले कभी डरते नहीं', 'तू मेरा जानू है' हो और 'डिंग डोंग ओह बेबी सिंग ए सॉन्ग' को दर्शकों ने खूब थिरकाया था.फिल्म के 40 साल पूरे होने पर डायरेक्टर सुभाष घई ने भी पोस्ट शेयर किया है. उन्होंने लिखा, आज हीरो 1983 के 40 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं.

सुभाष घई द्वारा निर्देशित 'हीरो' में जैकी श्रॉफ के अलावा एक्ट्रेस मीनाक्षी शेषाद्रि लीड हीरोइन थीं. मीनाक्षी के साथ जग्गू दादा की जोड़ी काफी पसंद की गई थी. दोनों की केमिस्ट्री और रोमांटिक गोनों को काफी पसंद किया गया था.फिल्म में दिवंगत एक्टर अमरीश पुरी, शम्मी कपूर, संजीव कुमार भी थे. इसके गाने ब्लॉकबस्टर हिट रहे थे.

संदीप रेड्डी की एनिमल की शुरुआत के बाद तृप्ति डिमरी को काफी तारीफ मिल रही है.

नई दिल्लीः रणबीर कपूर अभिनीत एक्शन क्राइम फिल्म एनिमल में तृप्ति डिमरी के प्रदर्शन ने उन्हें काफी प्रशंसा और पहचान दिलाई है. जिसके बाद से उनकी सोशल मीडिया फॉलोइंग बढ़ गई है, और उन्होंने कई प्रशंसकों से नेशनल क्रश का खिताब अर्जित किया है. हाल की अफवाहों से पता चलता है कि अभिनेत्री सैम मर्चेंट नाम के एक शख्स के साथ रोमांटिक रूप से जुड़ी हुई है. आइए हम उनकी बैकग्राउंड के बारे में गहराई से जानें. हाल ही में, एनिमल स्टार तृप्ति डिमरी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक इवेंट से अपनी कई तस्वीरें शेयर कीं. हाल ही में, एनिमल स्टार तृप्ति डिमरी ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक इवेंट से अपनी कई तस्वीरें शेयर कीं. तस्वीरों में से एक सैम मर्चेंट नाम के लड़के के साथ उनकी एक सेल्फी थी. इसमें अभिनेत्री को कैमरे की ओर देखकर मुस्कुराते हुए देखा जा सकता है जबकि सैम तस्वीर क्लिक कर रहा है. चर्चा है कि वे शहर के नए लव बर्ड्स हैं. इंडस्ट्री के गपशप से पता चलता है कि डिमरी सैम के साथ रिश्ते में है. उनकी उपस्थिति से यह चर्चा शुरू हो गई है कि वे एक–दूसरे को डेट कर रहे हैं.

स्कूल में नन्हे अबराम में दिया डांस परफॉर्मेंस, देखकर इमोशनल हो गए डैडी

नई दिल्लीः बीते दिन यानी 15 दिसंबर को धीरूभाई अंबानी इंटरनेशनल स्कूल का अल्लल्ल४' उंट फंक्शन रखा गया था. इस इवेंट में कई सारे बॉलीवुड सितारों के बच्चों ने भाग लिया और शाम में चार चांद लगा दिए. इवेंट में सुपरस्टार शाहरुख खान ने अपनी पत्नी गौरी खान और बेटी सुहाना खान के साथ शामिल हुए. शाहरुख के परिवार के सबसे छोटे बेटे, अबराम, जो स्कूल के स्टूडेंट हैं, को इवेंट के दौरान एक नाटक में अपने एक्टिंग टैलेंट का प्रदर्शन करते हुए स्टेज पर देखा गया. लेकिन, इन सब में जिस चीज ने सभी का ध्यान खींचा वो वह था, जब अबराम ने अपने पिता शाहरुख खान के सिग्नेचर पोज को दोहराया.इंटरनेट पर आउट एक वीडियो में, अबराम ने अपने साथी कलाकारों को गले लगाते हुए दिल चुरा लिया.

सब का सपना

स्वामी मुद्रक व प्रकाशक अनुज कुमार के द्वारा आर्यावर्त प्रिंटर्स सौम्या सदन गोकुल बिहार, अमरोहा उत्तर प्रदेश 244221 से मुद्रित व गांव बुखारीपुर पोस्ट ढवारसी, तहसील हसनपुर, जनपद अमरोहा, उत्तर प्रदेश पिन कोड 244242 से प्रकाशित।

संपादक : अनुज कुमार
TitleCode: UPHIN51223
मोबाइल नंबर
9456884327
Officialsabkasapna@gmail.com
www.sabkasapna.com
नोट– समस्त विवादों का न्यायिक क्षेत्र अमरोहा जनपद न्यायालय होगा।

खुलासा ! आमिर खान की वजह से सैफ अली खान को मिली ओमकारा

नई दिल्लीः विशाल भारद्वाज की 2006 की ड्रामा फिल्म ओमकारा सैफ अली खान के करियर की सबसे प्रशंसित फिल्मों में से एक है, लंगड़ा त्यागी के रूप में अपने प्रदर्शन की बदौलत सैफ को अपने करियर की बेस्ट परफार्मेंस रके लिए खूब तारीफे बटोरा. लेकिन क्या आप जानते हैं ये किरदार सैफ से पहले आमिर खान निभाने वाले थे. हाल ही में एक इंटरव्यू में फिल्म ओमकारा के डायरेक्टर विशाल भारद्वाज ने इसके पीछे की पूरी कहानी का खुलासा, और बताया कि उनकी जगह फिल्म सैफ को कैसे मिल गई.

हाल ही में एक इंटरव्यू में, विशाल भारद्वाज ने खुलासा किया कि आमिर खान ओमकारा के लंगड़ा त्यागी की भूमिका निभाना चाहते थे, जो बाद में सैफ अली खान के पास गया. डायरेक्टर ने कहा, 'सैफ के लिए, मुझे लगता है कि आमिर इसके लिए जिम्मेदार हैं. इस बारे में विस्तार से बताते हुए भारद्वाज ने कहा कि वह आमिर के साथ एक फिल्म की योजना बना रहे थे, जिसके दौरान दोनों ने खूब बातचीत की. अपनी चर्चा के दौरान, भारद्वाज ने आमिर से कहा कि वह ओथेलो का वर्जन करना चाहते हैं. इसपर आमिर ने कहा कि जब भी आप यह फिल्म बनाएंगे, मुझे खुशी होगी कि लंगड़ा त्यागी के लिए मेरे नाम पर विचार किया जाए.डायरेक्टर ने कहा, तो वह मेरे पास ही रहा, लेकिन फिल्म नहीं बनी. मैं डेढ़ साल से काम नहीं कर रहा था. मैं एक फिल्म बनाना चाहता था, इसलिए मैंने सोचा कि क्या यह किरदार आमिर को इतना उत्साहित कर सकता है, तो मैं इससे किसी दूसरे स्टार को उत्साहित कर सकता हूं. उस वक्त मैंने सैफ का काम देखा था. इस वजह से ये रोल सैफ के पास गया. डायरेक्टर से जब पूछा गया कि आमिर ने ओमकारा क्यों नहीं की, तो भारद्वाज ने खुलासा किया कि वह व्यस्त थे. उन्होंने रंग दे बसंती की, और मैं अगले डेढ़ साल तक अटकना नहीं चाहता था. ओमकारा का डायरेक्शन विशाल भारद्वाज ने किया है और इसे भारद्वाज, अभिषेक चौबे और रॉबिन भट्ट ने लिखा है. यह विलियम शेक्सपियर के ओथेलो से अनुकूलित है और इसमें अजय देवगन, सैफ अली खान, करीना कपूर, कोंकणा सेन शर्मा, विवेक ओबेरॉय और बिपाशा बसु हैं. यह फ़िल्म 2006 में रिलीज़ हुई थी, जो एक बड़ी क्रिटिसिज्म और व्यावसायिक सफलता साबित हुई और तीन राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार जीते.

विलियम शेक्सपियर के ओथेलो से अनुकूलित है और इसमें अजय देवगन, सैफ अली खान, करीना कपूर, कोकणा सेन शर्मा, विवेक ओबेरॉय और बिपाशा बसु हैं. यह फ़िल्म 2006 में रिलीज़ हुई थी, जो एक बड़ी क्रिटिसिज्म और व्यावसायिक सफलता साबित हुई और तीन राष्ट्रीय फ़िल्म पुरस्कार जीते.